नई दिल्ली ■ मंगलवार 17 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 348 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 अर्थव्यवस्था की जरूरतों से जुड़े शिक्षा | 07 एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करेगी: पीटी उषा | निक जोनस का हाथ थामे रेड कार्पेट... 08

कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में आग, 10 मरीजों की मौत

प्रधानमंत्री ने जताया शोक, राष्ट्रीय राहत कोषसेअनुग्रह राशि की घोंषणा

भुवनेश्वर। ओडिशा के कटक स्थित श्रीरामचंद्र भंज मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ट्रॉमा केयर इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में सोमवार तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 10 मरीजों की मौत हो गई। इस हादसे से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और गंभीर मरीजों को तुरंत अन्य वार्डों में स्थानांतरित किया गया।

आग सुबह करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच इमरजेंसी विभाग की पहली मंजिल पर स्थित ट्रॉमा आईसीयू में लगी, जहां उस समय 23 मरीज भर्ती थे। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद होगी। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मृतकों की पहचान रमेश परिडा, दशारू मुंडा, एम.डी. न्युम, गौरांग बारिक, एस.के. अब्दुल सत्तार, मधुसूदन दलाई, कृष्णचंद्र बिस्वाल, रवींद्र दास, चारू परिडा और मेनका राउत के रूप में हुई है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि अन्य मरीजों को सुरक्षित रूप से अस्पताल के विभिन्न विभागों में स्थानांतरित कर दिया गया है और उनका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही ओडिशा के

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने अस्पताल के प्रभावित हिस्से का निरीक्षण किया और अन्य वार्डों में इलाज करा रहे मरीजों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और उन्हें हर संभव सरकारी सहायता का भरोसा दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानांतरित किए गए सभी मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और उनके उपचार में किसी प्रकार की बाधा न आए।

मुख्यमंत्री ने घटना के कारणों का पता लगाने के लिए न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। इस जांच में यह भी देखा जाएगा कि अस्पताल में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में कहीं कोई कमी तो नहीं थी। मुख्यमंत्री ने अग्निशमन सेवा के महानिदेशक को निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से एससीबी मेडिकल कॉलेज में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करें और अस्पताल को जल्द से जल्द पूरी तरह फायर-कम्प्लायंट बनाया जाए। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार पहले ही ओडिशा के सभी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दे चुकी है। इसके लिए चालू बजट में 320 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इस दिशा में काम जारी है। साथ ही आगामी बजट में अग्नि सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने के लिए 400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान करने की योजना है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से फोन पर बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली।

> "यह घटना बेहद पीड़ादायक है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से आर्थिक सहायता की भी घोषणा की। इसके तहत प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता दी जाएगी।
> - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राज्यसभा चुनाव : बिहार की सभी 05 सीट पर राजग गठबंधन का कब्जा

पटना। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने सभी सीटों पर कब्जा कर लिया है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, शिवेश राम , रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा विजयी रहे।

बिहार में पांच सीटों के लिए संपन्न हुए राज्यसभा चुनावों में राजग ने सभी पांचों सीटों पर जीत हासिल की। दूसरी ओर असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और बसपा के समर्थन के बावजूद महागठबंधन जरूरी 41 का आंकड़ा नहीं जुटा पाया। इस जीत पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ऐलान किया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार, चुनाव में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को 44-44 मत मिले। वहीं रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा को 42-42 वोट मिले हैं। पांटवीं सीट के लिए पहली वरीयता में भाजपा उम्मीदवार शिवेश राम को 30 वोट मिले थे। हालांकि दूसरी वरीयता में शिवेश राम ने राजद के एडी सिंह को हरा दिया । एडी सिंह को 37 वोट मिले हैं। हालांकि राजद विधायक सर्वजीत ने दावा किया है कि उन्हें 38 वोट मिले हैं।

ओडिशा में राज्यसभा की चार सीटों में से तीन पर भाजपा की जीत, बीजद को एक सीट

भुवनेश्वर। हार्स ट्रेडिंग और क्रॉस-वोटिंग के आरोपों के बीच हुए राज्यसभा चुनाव में ओडिशा की चार सीटों में से तीन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, जबकि बीजू जनता दल (बीजद) को एक सीट पर सफलता मिली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा सांसद सुजीत कुमार भाजपा की ओर से विजयी घोषित किए गए। वहीं बीजद के संतृप्त मिश्र ने भी एक सीट जीती। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप राय जिन्होंने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, उन्होंने भी जीत हासिल की। भाजपा समर्थित दिलीप राय और बीजद के उम्मीदवार डॉ. दत्तेश्वर होता, जिन्हें कांग्रेस और माकपा का समर्थन प्राप्त था, दोनों को 23-23 प्रथम वरीयता वोट मिले। इसके बाद मुकाबला द्वितीय वरीयता मतों की गणना तक पहुंच गया। दिलीप राय की यह जीत एक तरह से उनके राजनीतिक करियर की वापसी मानी जा रही है, जो वर्ष 2002 में भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा चुनाव जीत चुके हैं।

श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खुलेंगे

देहरादून। उत्तराखंड राज्य में स्थित पवित्र तीर्थ श्री हेमकुंड साहिब के कपाट इस वर्ष 23 मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। यह जानकारी श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्य सचिव आनंद बर्धन से शिष्टाचार भेंट के दौरान दी है। मुख्य सचिव से भेंट के दौरान श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने आगामी यात्रा व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की 144 उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी की।

सूची में सुवेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल के भी नाम हैं। सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और अग्निमित्रा पॉल को आसानसोल दक्षिण विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा की विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक नितिन नवीन की अध्यक्षता में दिनांक 12 मार्च को सम्पन्न हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह एवं केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे।

समिति ने होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों के नामों पर स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में कुल 294 सीटें हैं। बंगाल में दो चरण 23 एवं 29 अप्रैल को मतदान होगा। चार मई को मतगणना होगी।

चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को असम, केरल एवं पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव और गोवा, कर्नाटक, नगालैंड एवं त्रिपुरा की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी।इसी के साथ इन क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी। चुनाव आयोग ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और मुख्य चुनाव अधिकारियों को आचार संहिता (एमसीसी) तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं। एमसीसी संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्र सरकार पर भी लागू होगा। आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्ति से चुनावी डिफेसमेंट हटाने, सरकारी गाड़ी या घर का गलत इस्तेमाल रोकने और सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने नागरिकों की निजता का रोकने के लिए आम लोगों के घरों के बाहर कोई प्रदर्शन या धरना देने पर रोक लगाई है। और मालिक की सहमति के बिना जमीन, इमारत या दीवारों का इस्तेमाल झंडे, बैनर या पोस्टर के लिए इस्तेमाल करने पर भी रोक लगाई है।

मुरादाबाद सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के मुंढापांडे थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह दिल्ली-लखनऊ राजमार्ग पर सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

होर्मुज से एलपीजी लेकर गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पहुंचा भारतीय जहाज शिवालिक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत के लिए राहत देने वाली खबर सामने आई है। खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर भारतीय ध्वज वाला शिवालिक जहाज 45,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर गुजरात के मुंद्रा पोर्ट बंदरगाह पहुंच गया है।

दूसरा जहाज नंदा के भी जल्द आने के बाद देश में रसोई गैस की किल्लत कम होने के आसार हैं। इजराइल और अमेरिका के ईरान पर संयुक्त हमले के चलते हॉर्मुज जलडमरूमध्य में फंसा भारतीय ध्वज वाला एलपीजी टैंकर शिवालिक 'शिवालिक' 45,000 टन एलपीजी लेकर सोमवार को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर सुरक्षित पहुंच गया है। युद्ध क्षेत्र से सुरक्षित निकले

इस जहाज से देशभर में चल रहा एलपीजी संकट दूर होने की उम्मीद है। इससे पहले जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया था कि भारतीय ध्वज वाला एलपीजी वाहक शिवालिक आज शाम 5 बजे पहुंच जाएगा। कुमार ने कहा कि इसके आगमन से पहले मुद्रा बंदरगाह पर दस्तावेजीकरण, प्राथमिकता बर्थिंग और सब कुछ व्यवस्थित कर दिया गया है, ताकि माल के निर्वहन में कोई देरी न हो।

उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में कोई घटना सामने नहीं आई है और हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हम प्रत्येक जहाज और उसके चालक दल के संपर्क में हैं। कुमार ने कहा कि 611 भारतीय नाविकों के साथ 22 भारतीय ध्वज वाले जहाज फारस की खाड़ी में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पश्चिम में बने हुए हैं। होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण एलपीजी से भरे जहाज वहां फंसे हुए थे।

भारत सरकार के सफल कूटनीतिक प्रयासों से भारत के विदेश मंत्रालय और ईरानी विदेश मंत्रालय ने इस मामले को लेकर बातचीत की थी। इसी के बाद से भारत के दो जहाज शिवालिक और नंदा को होर्मुज से निकलने की इजाजत दी गई थी।

डीएम ने किया आर्या फैशन्स का दौरा

महिला कर्मचारियों के कौशल विकास की सराहना, हस्तशिल्प और रोजगार के क्षेत्र में अहम योगदानः डीएम

गौतम बुद्ध नगर। महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल के तहत गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने प्रसिद्ध फैशन एवं हस्तशिल्प इकाई आर्या फैशन्स का दौरा किया। उनके इस दौरे ने संस्थान के कर्मचारियों, विशेष रूप से महिला कारीगरों और प्रशिक्षुओं में नया उत्साह भर दिया।

दौरे के दौरान जिलाधिकारी ने आर्या फैशन्स की निर्माण इकाई का विस्तृत अवलोकन किया और वहां काम कर रही महिला कर्मचारियों, आर्टिशियंस और क्राफ्टमैन से सीधे संवाद किया। उन्होंने कार्यस्थल पर चल रही प्रशिक्षण प्रक्रिया, उत्पादन व्यवस्था और महिलाओं को दिए जा रहे रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मेधा रूपम ने देखा कि आर्या फैशन्स किस प्रकार बिना किसी तकनीकी कौशल के आने वाली महिलाओं को पहले प्रशिक्षण देती है और फिर उन्हें कुशल कारीगर के रूप में तैयार करती है। इस प्रक्रिया के माध्यम से महिलाओं को न केवल रोजगार मिल रहा है बल्कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी बन रही हैं।

जिलाधिकारी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रभावी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दौरे के दौरान जिलाधिकारी ने आर्या फैशन्स के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था हस्तशिल्प और फैशन उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि यहां संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार से जोड़ने का बेहतरीन माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की पहल उत्तर प्रदेश में चल रहे रोजगार मिशन और महिला सशक्तिकरण अभियानों को मजबूत करने में सहायक साबित हो रही है।

इस अवसर पर डॉ. खुशबू सिंह, संस्थापक एवं सीईओ आर्या फैशन्स, ने जिलाधिकारी के दौरे को अपने संस्थान के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि मेधा रूपम के दौरे से पूरी टीम को नई ऊर्जा और प्रोत्साहन मिला है। डॉ. खुशबू सिंह ने कहा कि उनकी संस्था का उद्देश्य केवल फैशन उद्योग में योगदान देना ही नहीं बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। उन्होंने कहा कि आर्या फैशन्स भविष्य में भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रयासरत रहेगा। इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रशासन और निजी संस्थानों के सहयोग से महिलाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण किया जा सकता है।

आर्या फैशन्स की पहल उन संस्थाओं के लिए भी प्रेरणा है जो कौशल विकास और रोजगार के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रही हैं। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों ने भी जिलाधिकारी के इस दौरे को सराहनीय बताया और उम्मीद जताई कि भविष्य में ऐसे प्रयासों से और अधिक महिलाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर मिलेगा।

कार्लोस ग्रासिदा मेमोरियल कप: इंस्ट्रुको ने फाइनल में जिंदल पैंथर को 8–6 से हराया

नोएडा। जिंदल पोलो एस्टेट में जारी जिंदल पोलो स्प्रिंग सीजन के तहत खेले गए कार्लोस ग्रासिदा मेमोरियल कप के फाइनल में इंस्ट्रुको ने शानदार वापसी करते हुए जिंदल पैंथर को 8–6 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। चार चुक्करों तक चले इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन अंतिम चरण में इंस्ट्रुको ने बढ़त बनाकर जीत सुनिश्चित कर ली। मुकाबले की शुरुआत जिंदल पैंथर के लिए शानदार रही। जुआन ग्रिस जावलेटा ने पहले चुक्कर में लगातार तीन गोल कर हैट्रिक पूरी की और अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि इंस्ट्रुको की ओर से कृष्णा इनकिया ने दो गोल कर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। पहले चुक्कर के अंत तक जिंदल पैंथर 3–2 से आगे था। दूसरे चुक्कर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। जिंदल पैंथर की ओर से नवीन जिंदल ने गोल कर बढ़त को और मजबूत किया। इसके जवाब में इंस्ट्रुको के लिए फिल सेलर ने गोल दागकर अंतर कम कर दिया। पहले हाफ के अंत तक जिंदल पैंथर 4–3 से आगे रहा। तीसरे चुक्कर में इंस्ट्रुको ने शानदार वापसी की। फिल सेलर ने एक और गोल किया, जबकि कृष्णा इनकिया ने भी गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। जिंदल पैंथर की ओर से जुआन ग्रिस जावलेटा ने एक और गोल किया। इस चुक्कर के अंत तक दोनों टीमों का स्कोर 5–5 से बराबर था। अंतिम और चौथे चुक्कर में इंस्ट्रुको ने मैच पर नियंत्रण बना लिया। कृष्णा इनकिया ने मैच का अपना चौथा गोल दागा, जबकि सिद्धांत शर्मा ने दो महत्वपूर्ण गोल कर टीम की बढ़त मजबूत कर दी। जिंदल पैंथर की ओर से जुआन ग्रिस जावलेटा ने एक और गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम अंतर कम नहीं कर सकी। मुकाबले के अंतिम क्षणों में संयमित खेल दिखाते हुए इंस्ट्रुको ने 8–6 की जीत दर्ज कर कार्लोस ग्रासिदा मेमोरियल कप अपने नाम कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

ग्रेटर नोएडा में 6 वर्षीय बच्ची का सौतेले पिता ने गला दबाकर की हत्या, दुष्कर्म का आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में रहने वाले एक शख्स ने 6 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार किया। विरोध करने पर उसने उसका गला और मुंह दबाकर हत्या कर दी। वह उसे दफनाने के लिए लेकर जा रहा था तभी पुलिस को किसी ने सूचना दे दी। पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। आरोपी बच्ची का सौतेला बाप बताया जा रहा है। पुलिस ने बच्ची का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है जानकारी के अनुसार कस्बा सूरजपुर में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी 6 वर्षीय सौतेली बेटी के साथ घर में अकेला पाकर बलात्कार किया। जब उसने विरोध किया तो उसने उसका मुंह और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद वह उसे दफनाने के लिए जा रहा था, तभी आसपास के लोगों को शक हुआ तथा कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस को आता देख आरोपी अपनी मृतक बेटी को सड़क पर फेंककर भाग गया। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी की यह दूसरी शादी थी। मृतका बच्ची उसकी पत्नी के पहले पति की बेटी थी। उसने कुछ समय पहले ही मृतका की मां से शादी की थी। इस बाबत पूछने पर पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि बलात्कार हुआ है कि नहीं। उन्होंने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पूर्व कंपनीकर्मी पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

नोएडा। कंपनी से निकाले गए पूर्व कर्मचारी ने प्रबंधक पर ही हमला कर दिया। वह अब भी पीड़त का पीछा कर उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। प्रबंधक ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस जांच कर रही है। अजय सक्सेसना ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-59 के सी ब्लॉक स्थित कंपनी में ऑपरेशन प्रबंधक हैं। उनके कार्यालय में गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी का रहने वाला युवक टीम लीडर के पद पर था। गलत व्यवहार करने और अशांति पैदा करने के चलते उसको पिछले दिनों कार्यालय से निकाल दिया गया। इसके चलते वह उससे रंजिश भी मानता है। आरोप है कि युवक कई दिन से अजय का पीछा कर रहा है। शनिवार को एयरटेल बिल्डिंग के पास युवक ने अजय पर हमला कर मारपीट की। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। इसके चलते अजय को अनहोनी होने का डर सता रहा है। अजय ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत ले ली गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

ठगों ने महिला के खाते से 14.35 लाख रुपये निकाले

नोएडा। साइबर ठगों ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा-4 स्थित चेरी काउंटी सोसाइटी में रहने वाली महिला के बैंक खाते से 14 लाख 35 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। शिवांगी गोयल ने न्यायालय में दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि उनका बैंक में बचत खाता है। इसी साल आठ जनवरी को किसी अज्ञात व्यक्ति ने साइबर फ्रॉड करके उनके खाते से 14 लाख 35 हजार रुपये निकाल लिए। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत अपने बैंक से संपर्क किया। बैंक से पता चला कि साइबर ठगी के जरिए उनके खाते से यह रकम ट्रांसफर की गई है। इसके बाद पीड़िता ने ऑनलाइन साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कुछ रकम को फ्रीज करा दिया, लेकिन अभी तक आरोपियों के खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।पीड़िता का कहना है कि उन्होंने इस मामले में पुलिस आयुक्त गौतमबुद्ध नगर को भी लिखित शिकायत दी। इसके बावजूद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। पीड़िता का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। इससे परेशान होकर उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

हरियाली घटाने और फैसिलिटी भूमि पर प्लॉट आवंटन का किसान सभा ने किया विरोध

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण द्वारा ग्रीन बेल्ट में लगातार कटौती और फैसिलिटी के लिए छोड़ी गई जमीन पर प्लॉट आवंटन के विरोध में किसान सभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सोमवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने प्राधिकरण के सीईओ एन. जी. रवि कुमार और एसीईओ श्रीलक्ष्मी से मुलाकात कर इस मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराया। बैठक के दौरान किसान सभा के पदाधिकारियों ने अधिकारियों को अवगत कराया कि प्राधिकरण किसान आबादी में सार्वजनिक सुविधाओं के लिए छोड़ी गई फैसिलिटी भूमि पर भी प्लॉट आवंटित कर रहा है, जबकि यह जमीन स्थानीय निवासियों के सामुदायिक उपयोग के लिए निर्धारित होती है। इसके अलावा प्राधिकरण लगातार ग्रीन बेल्ट में कटौती कर रहा है, जिससे क्षेत्र में हरियाली का

दायरा घटता जा रहा है। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि लगातार कम होती हरियाली से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि क्षेत्र में पहले से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राधिकरण ग्रीन बेल्ट को छोटा कर हरियाली को समाप्त कर रहा है, जो चिंता का विषय है। जिला प्रवक्ता जगबीर नंबरदार ने कहा कि प्राधिकरण किसान आबादी के प्लॉटों को पहले ही दोयम दर्जे के रूप में विकसित करता है और अब पूर्व में सार्वजनिक सुविधाओं के लिए छोड़ी गई जमीन पर भी प्लॉट आवंटित किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राधिकरण अपने मास्टर प्लान के मानकों का भी पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की कार्रवाई नहीं रोकी गई तो किसान सभा हरियाली और जनसुविधाओं को बचाने के लिए व्यापक स्तर पर आंदोलन शुरू करेगी। इस पर प्राधिकरण के सीईओ एन. जी. रवि कुमार ने आश्वासन दिया कि सभी मामलों को गंभीरता से संज्ञान में लिया जाएगा और किसानों तथा स्थानीय नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय किया जाएगा। बैठक में जगबीर नंबरदार, गवरी मुखिया, संदीप भाटी, अजयपाल भाटी, सुरेंद्र पंडित, बुधपाल यादव, सुरेश यादव, अशोक भाटी, सचिन भाटी, गुरप्रीत सिंह, राहुल नागर, मुकुल यादव, सूले यादव, सुशील सुनपुरा, मुकेश खेड़ी सहित बड़ी संख्या में किसान सभा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

NIIMS ग्रेटर नोएडा में 'पेरिनेटल डायग्नोसिस और थेरेपी में हालिया प्रगति' विषय पर CME

गर्भावस्था में नई चिकित्सा तकनीकों पर हुई चर्चा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान (NIIMS) के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर "पेरिनेटल डायग्नोसिस और थेरेपी में हालिया प्रगति" विषय पर कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (CME) सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं की समय पर पहचान और उनके उपचार से जुड़ी आधुनिक चिकित्सा तकनीकों की जानकारी साझा करना था, ताकि माँ और शिशु दोनों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके। सेमिनार का आयोजन प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मेघा रंजन के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में डॉ. तेजसा मिश्रा और डॉ. दम अनदीप कौर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में गर्भ में पल रहे शिशु से संबंधित बीमारियों की शुरुआती पहचान और उनके प्रभावी प्रबंधन के लिए आधुनिक चिकित्सा तकनीकों तथा शोध आधारित उपचार पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के स्वागत संबोधन से हुई। इस अवसर पर संस्थान

के डायरेक्टर डॉ. एस. एन. गुप्ता, डीन डॉ. मनीषा जिंदल और मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रंजीत घुलियानी मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा और चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए इस तरह के अकादमिक कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। सेमिनार की मुख्य वक्ता फोर्टिस हॉस्पिटल की जेनेटिक क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सीमा ठाकुर रहीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में नॉन-इनवेसिव प्रीनेटल टेस्टिंग (NIPT), भ्रूण की आधुनिक इमेजिंग तकनीकों और जटिल भ्रूण संबंधी बीमारियों के उपचार में हो रही नई प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने गर्भावस्था से जुड़े परीक्षणों और उपचार में नैतिकता तथा व्यक्तिगत देखभाल के महत्व को भी रेखांकित किया।

डॉ. सीमा ठाकुर ने कहा कि प्रीनेटल डायग्नोसिस ने गर्भावस्था की देखभाल के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। यदि संभावित समस्याओं की पहचान समय रहते हो जाए, तो चिकित्सक माँ और बच्चे दोनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समय पर उपचार शुरू कर सकते हैं। इस CME कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य, शोधकर्ता और मेडिकल छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान ज्ञानवर्धक चर्चा और विचार-विमर्श हुआ तथा मुख्य वक्ता को उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. दम अनदीप कौर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। संस्थान की ओर से बताया गया कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से NIIMS महिलाओं के स्वास्थ्य, समय पर रोग पहचान और चिकित्सकों के निरंतर प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को और मजबूत कर रहा है।

सलाम नमस्ते को सामुदायिक जागरूकता के लिए मिला सम्मान

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर सामुदायिक जागरूकता एवं जनसंपर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित मिला। यह सम्मान भारतीय मानक ब्यूरो (भारत सरकार के उपभोक्ता मामले मंत्रालय) के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर आईएमएस नोएडा के प्रेसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि यह सम्मान कम्युनिटी रेडियो की टीम के समर्पण और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो के माध्यम से लगातार जनहित से जुड़े विषयों पर जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहा है, जिससे समाज में जिम्मेदार और जागरूक उपभोक्ताओं का निर्माण हो रहा है। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि रेडियो की पूरी टीम के लिए यह गर्व और प्रेरणा का क्षण है कि हमने समाज के विभिन्न वर्गों तक उपयोगी और जागरूकता से जुड़ी जानकारी पहुंचायी। सलाम नमस्ते को यह सम्मान भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद शाखा के वैज्ञानिक-डी राजू शर्मा एवं मानक प्रोत्साहन अधिकारी आयुष राज ने सर्टिफिकेट देकर प्रदान किया। उन्होंने बताया कि रेडियो के माध्यम से उपभोक्ता अधिकारों, गुणवत्ता मानकों और सुरक्षित उत्पादों के उपयोग से संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास आगे भी जारी रखेगा। राजू शर्मा ने सलाम नमस्ते की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान समाज के विभिन्न वर्गों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण समुदाय तक उपभोक्ता अधिकारों, भारतीय मानकों और गुणवत्ता से जुड़े विषयों पर निरंतर जागरूकता कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए प्रदान किया गया। उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराना भारतीय मानक ब्यूरो का प्रमुख उद्देश्य है। इसके लिए समाज में मानकीकरण और गुणवत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कम्युनिटी रेडियो जैसे माध्यमों के जरिए लोगों तक उपभोक्ता अधिकारों और भारतीय मानकों से जुड़ी जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाई जा रही है।

नोएडा में अधिवक्ता के साथ मारपीट मामले में चार पुलिसकर्मी निलंबित

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के थाना बिसरख में तैनात दो उप निरीक्षक और दो हेड कांस्टेबल को पुलिस उपायुक्त ने निलंबित कर दिया है। आरोप है कि उन्होंने एक अधिवक्ता के साथ मारपीट कर अभद्रता की। इस मामले को लेकर जनपद गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज भाटी ने अपने अधिवक्ता साथियों के साथ थाना बिसरख पर धरना प्रदर्शन किया। अपर पुलिस आयुक्त आरके गौतम ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच करवाई गई। जिसमें बिसरख कोतवाली में तैनात दो उपनिरीक्षक श्रीपाल गिरी, उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार और दो अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़ति अधिवक्ता की शिकायत के आधार पर पूरे मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि एक युवक, एक युवती से एक तरफा प्रेम करता था। युवती से जब उसने शादी के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। इस बात से नाराज युवक ने अपने दोस्त सोनू और एक अन्य के साथ मिलकर युवती के मंगेतर को कार में बैठाकर उसके साथ मारपीट कर दिल्ली बॉर्डर पर छोड़ दिया था। इस मामले में युवती की शिकायत पर बिसरख थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि इस घटना में अधिवक्ता फरीद अहमद का भाई सोनू भी आरोपी है।

बताया जा रहा है कि पुलिस सोनू को पकड़ने के लिए ककराला गांव गई थी। आरोप है कि वहां अधिवक्ता ने घर का दरवाजा बंद कर सोनू को दूसरे दरवाजे से भगा दिया। उसने पुलिस पर अधिवक्ता होने का रौब दिखाकर अभद्रता की। इसके बाद फरीद को पूछताछ के लिए थाना बिसरख लाया गया। वहीं अधिवक्ता फरीद अहमद का कहना है कि उसके भाई का नाम सोनू जरूर है मगर वह और उसका भाई एक तरफा प्रेमी के बारे में नहीं जानते। उनका भाई नगला सलेमपुर मेरठ में रहता है।

नोएडा में कुख्यात माफिया सुंदर भाटी गैंग के दो सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

नोएडा। कुख्यात माफिया सुंदर भाटी गैंग के दो शातिर बदमाशों को थाना ईकोटेक प्रथम व अपराध शाखा गौतमबुद्धनगर की पुलिस टीम ने एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। अभियुक्त सुंदर गैंग के सक्रिय सदस्य बताये जा रहे हैं। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से एक पिस्टल व तमंचा बरामद किया है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा डॉ प्रवीण रंजन सिंह ने बताया कि रात्रि में थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस व अपराध शाखा गौतमबुद्धनगर की पुलिस टीम को एक सूचना प्राप्त हुई कि शासन द्वारा चिन्हित माफिया सुन्दर भाटी गैंग के 2 सक्रिय सदस्य किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में यमुना पुस्ता ग्राम घरबरा के पास देखे गए हैं। उन्होंने बताया कि उक्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना ईकोटेक प्रथम व अपराध शाखा गौतमबुद्धनगर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो अभियुक्तों द्वारा गिरफ्तारी से बचने व भागने का प्रयास करते हुए पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्यवाही में पुलिस पार्टी द्वारा की गयी कार्यवाही में अभियुक्त धर्मेन्द्र उर्फ डीके पुत्र कवर सिंह निवासी ग्राम कमबक्शपुर थाना नालेज पार्क जिला गौतमबुद्धनगर तथा अर्जुन पुत्र संजय निवासी डी- 239 पटपडगंज वाल्मिकी कालौनी थाना पाण्डवनगर दिल्ली को एक अवैध पिस्टल मय 2 जिन्दा कारतूस व एक तंमचा 315 बोर मय कारतूस को बरामद करते हुए यमुना पुस्ते पर ग्राम घरबरा थाना इकोटेक प्रथम से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है।

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने नरेला जोन का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य व शिक्षा से जुड़े ढांचे को मजबूत करने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को नरेला जोन के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता तथा अन्य नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करना और आवश्यक दिशा-निर्देश देना था। निरीक्षण के दौरान स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने संबंधित अधिकारियों द्वारा किए जा रहे स्वच्छता कार्यों की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि इसी प्रकार नियमित सफाई, कूड़ा उठान तथा सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के प्रयास निरंतर जारी रखे जाएं ताकि क्षेत्र में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान सत्या शर्मा ने सबसे पहले कुतबगढ़ स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचीं। यहां ओपीडी में डॉक्टरों की उपस्थिति और दवाइयों की उपलब्धता संतोषजनक पाई, लेकिन शौचालय की खराब स्थिति पर उन्होंने स्वच्छता अधिकारी को फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह डिस्पेंसरी काफी बड़े परिसर में स्थित है और यहां पर्याप्त कमरे, ओपीडी स्पेस तथा स्टाफ क्वार्टर्स उपलब्ध हैं इसलिए भविष्य में इसे आरोग्य मंदिर के बजाय अस्पताल, मैटरनिटी होम या मातृ-शिशु केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के क्रम में स्थायी समिति की अध्यक्ष ने औचंदी स्थित निगम प्राथमिक विद्यालय भवन पहुंचीं, जो परित्यक्त स्थिति में पाया गया था। स्थानीय निवासियों ने विद्यालय को पुनर्निर्मित करने के लिए ज्ञापन भी सौंपा। इस पर अध्यक्ष ने मरम्मत के बजाय नया विद्यालय भवन बनाने का निर्देश दिया तथा क्षेत्रीय शिक्षा निदेशक को एक सप्ताह के भीतर प्रस्ताव तैयार कर क्षेत्रीय उपायुक्त को भेजने को कहा। सत्या शर्मा सलाहपुर माजरा स्कूल भवन पहुंचीं, जो लंबे समय से जर्जर और परित्यक्त पड़ा हुआ है। उन्होंने निर्देश दिया कि भवन को हटाकर वहां ओल्ड एज होम, लाइब्रेरी या सामुदायिक उपयोग की अन्य सुविधाओं के लिए योजना तैयार की जाए। साथ ही पहले पूरे परिसर की सफाई कराने और लैंड यूज से संबंधित प्रक्रिया की जांच कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। दौरे के अंत में शर्मा माजरा डबास स्थित मल्टीपरपज सोसायटी भवन का निरीक्षण करने पहुंचीं, जो कई वर्षों से जर्जर स्थिति में पड़ा है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस भवन को हटाकर वहां आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी का निर्माण किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि भूमि से संबंधित रिकॉर्ड की जांच के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

दिल्ली: मुंडका में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी का भंडाफोड़

क्राइम ब्रांच ने 610 सिलेंडर बरामद किए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बाहरी दिल्ली के मुंडका इलाके में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और काले कारोबार के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान एक गोदाम से कुल 610 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए हैं, जिन्हें नियमों के खिलाफ एक ही जगह पर रखा गया था। पुलिस ने इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने सोमवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल यूनिट को गुप्त सूचना मिली थी कि मुंडका क्षेत्र में बड़ी संख्या में एलपीजी सिलेंडरों को अवैध रूप से जमा कर रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मुंडका स्थित गुरुजी इंडेन गैस सर्विस के गोदाम पर छापा मारा। जांच के दौरान पाया गया कि यहां इंडेन के साथ-साथ भारत गैस और एचपी गैस कंपनियों के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर भी बड़ी संख्या में रखे हुए थे। नियमों के अनुसार यह गैस एजेंसी केवल इंडियन कंपनी के कमर्शियल सिलेंडर की अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर है, लेकिन गोदाम में अन्य कंपनियों के सिलेंडर भी अवैध रूप से जमा किए गए थे, जो एलपीजी आपूर्ति और वितरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 610

सिलेंडर बरामद किए, जिनमें 197 भरे हुए और 392 खाली कमर्शियल सिलेंडर शामिल हैं, जबकि 21 छोटे आकार के सिलेंडर भी मिले। बरामद सिलेंडरों में 423 इंडेन, 92 भारत गैस और 95 एचपी गैस के सिलेंडर शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के रिकॉर्ड के अनुसार 10 मार्च तक एजेंसी के पास इंडेन के कमर्शियल सिलेंडरों का स्टॉक शून्य होना चाहिए था, लेकिन छापे के दौरान 133 भरे हुए इंडेन सिलेंडर गोदाम में मौजूद मिले। इससे स्टॉक रिकॉर्ड में गड़बड़ी और अवैध भंडारण की आशंका और मजबूत हो गई है। पुलिस के अनुसार एलपीजी सिलेंडरों की इस तरह अवैध जमाखोरी अक्सर सप्लाई कम होने या कृत्रिम कमी पैदा करने के दौरान की जाती है। बाद में इन सिलेंडरों को बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाया जाता है। यह न केवल उपभोक्ताओं का शोषण है, बल्कि एक ही स्थान पर बड़ी संख्या में ज्वलनशील सिलेंडरों का गलत तरीके से भंडारण गंभीर सुरक्षा खतरा भी पैदा करता है। छापेमारी के दौरान खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों विभाग के फूड सप्लाई ऑफिसर विकास कुमार भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने पुष्टि की कि इंडेन गैस एजेंसी परिसर में अन्य कंपनियों के एलपीजी सिलेंडर रखना पूरी तरह अवैध है और यह एलपीजी नियंत्रण नियमों का उल्लंघन है। इस मामले में क्राइम ब्रांच थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 7 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) (आपराधिक साजिश) के तहत एफआईआर संख्या 52/2026 दर्ज की गई है। छापे के समय गोदाम का मालिक मौके पर मौजूद नहीं मिला और फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस अवैध जमाखोरी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और सिलेंडरों की आपूर्ति श्रृंखला किस तरह काम कर रही थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस रैकेट के जरिए कितने समय से कालाबाजारी की जा रही थी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली : डिवाइडर से टकराकर ट्रक पलटा, चालक की मौत

नई दिल्ली। दक्षिणपूर्वी दिल्ली के ओखला औद्योगिक क्षेत्र में एक ट्रक के डिवाइडर से टकरा कर पलट जाने से उसके 32 वर्षीय चालक की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोप है कि ट्रक चालक अन्य स्थान पर मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद भागने की कोशिश कर रहा था। उसने बताया कि यह घटना रविवार देर रात करीब एक बजे ओखला औद्योगिक क्षेत्र में एसआईएस प्रोसेगर भवन के पास हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''दुर्घटना की जानकारी पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को मिलने पर एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि ओखला अंडरपास के पास एक ट्रक डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया था।'' उन्होंने बताया कि वाहन के पास एक व्यक्ति बेहोश पड़ा मिला, जिसे तुरंत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के कासगंज निवासी लोकेंद्र के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना से कुछ ही समय पहले, ट्रक ने सरिता विहार में एक पेट्रोल पंप के पास एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। अधिकारी ने बताया, ''टक्कर में मोटरसाइकिल सवार दो लोग घायल हो गए और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।'' उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल से टक्कर के बाद ट्रक चालक कथित तौर पर घटनास्थल से भाग गया और ट्रक पर नियंत्रण खोने के बाद ओखला अंडरपास के पास डिवाइडर से टकरा गया।

रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया दिल्ली पुलिस का एएसआई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए शाहदरा जिले के गीता कॉलोनी थाने में तैनात एक एएसआई को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित एएसआई की पहचान रोहताश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शाहदरा निवासी एक व्यक्ति ने विजिलेंस यूनिट, बाराखंबा रोड में शिकायत दी थी कि उसकी पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला गीता कॉलोनी थाने में दर्ज कराया है। इस मामले की जांच कर रहे एएसआई रोहताश कुमार कथित तौर पर शिकायतकर्ता को बार-बार धमका रहे थे और सख्त कार्रवाई से बचाने के बदले 40 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायतकर्ता के अनुसार बाद में बातचीत के दौरान आरोपित एएसआई ने रिश्वत की रकम घटाकर 20 हजार रुपये कर दी। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस यूनिट ने मामले की जांच कर जाल बिछाया। तय समय पर जब शिकायतकर्ता आरोपित को रिश्वत की रकम देने पहुंचा तो विजिलेंस टीम ने मौके पर ही एएसआई रोहताश कुमार को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ दबोच लिया। इस मामले में विजिलेंस थाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत एफआईआर संख्या 03/26 दर्ज कर ली गई है। आरोपित से पूछताछ की जा रही है और मामले की आगे की जांच जारी है। दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई पुलिसकर्मी रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1064 या व्हाट्सऐप नंबर 9910641064 पर दें। नागरिक चाहें तो बाराखंबा रोड स्थित विजिलेंस कार्यालय में पहुंचकर भी शिकायत दर्ज करा सकते है।

मानहानि मामले में प्रिया रमानी के खिलाफ एमजे अकबर की याचिका पर अंतिम सुनवाई 24 सितंबर को

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्व केंद्रीय मंत्री एमजे अकबर की उस याचिका पर 24 सितंबर को अंतिम सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने पत्रकार प्रिया रमानी के खिलाफ दायर मानहानि याचिका को खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के सभी रिकॉर्ड मिल गए हैं और दोनों पक्षों की ओर से लिखित दलीलें दाखिल कर दी गई हैं। ऐसे में अंतिम सुनवाई 24 सितंबर को की जाएगी। कोर्ट ने 11 अगस्त, 2021 को प्रिया रमानी को नोटिस जारी किया था।

अवैध रिफिलिंग करते दुकानदार गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में पुलिस ने एलपीजी गैस सिलेंडर की अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी का भंडाफोड़ करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान 46 वर्षीय योगेश गुप्ता के रूप में हुई है, जो शकरपुर का ही रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक 15 मार्च को एक स्थानीय व्यक्ति से सूचना मिली थी कि शकरपुर में एक दुकान पर घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में अवैध रूप से गैस भरकर बेची जा रही है। सूचना मिलते ही शकरपुर थाना पुलिस ने टीम गठित की। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारा, जहां मौजूद व्यक्ति ने अपनी पहचान योगेश गुप्ता के रूप में बताई। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि वह पिछले कुछ दिनों से बड़े एलपीजी सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस भर रहा था और दो-तीन दिन पहले भी कई छोटे सिलेंडरों में गैस भरी थी। जांच के दौरान आरोपित के पास इस काम के लिए कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं मिली। वह बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के अपनी दुकान में

ही गैस ट्रांसफर का काम कर रहा था, जिससे आसपास के लोगों की सुरक्षा को भी गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से दो घरेलू एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलोग्राम), तीन छोटे सिलेंडर (5 किलोग्राम), गैस ट्रांसफर करने वाला टोटापिलास, एक एलपीजी रीफिलिंग मशीन और एक वजन मापने की मशीन बरामद की। पुलिस के अनुसार आरोपित बड़े घरेलू सिलेंडरों से गैस निकालकर छोटे सिलेंडरों में भरता था और उन्हें अवैध रूप से बेचकर मुनाफा कमा रहा था। इस मामले में शकरपुर थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 287, 125 और 318(4) के तहत एफआईआर संख्या 39/2026 दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने ओम बिरला को लिखा पत्र, संसदीय संस्थानों के सम्मान का किया आग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र लिखकर, विपक्षी दलों द्वारा लोक सभा में अध्यक्ष को हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव पर गहरी चिंता व्यक्त की। गुप्ता ने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि कुछ विपक्षी दलों ने संकीर्ण राजनीतिक हितों से प्रेरित होकर वर्तमान अध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्ताव लाने का मार्ग चुना, जबकि यह कार्यालय दलीय राजनीति से ऊपर है और इसे संसद के नियमों, परंपराओं और गरिमा की रक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विजेंद्र गुप्ता ने पत्र में इस बात पर जोर दिया कि भारत के संसदीय लोकतंत्र के कामकाज में अध्यक्ष का पद असाधारण महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष सदन की गरिमा के अभिरक्षक होते हैं। पीठासीन अधिकारी का अधिकार यह सुनिश्चित करता है कि संसदीय कार्यवाही व्यवस्थित और निष्पक्ष तरीके से संचालित हो। साथ ही यह राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर सभी सदस्यों के अधिकारों और विशेषाधिकारों की रक्षा भी करता है। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने पत्र में आगे कहा कि अध्यक्ष पद की शक्ति सदन के सामूहिक सम्मान और विश्वास से आती है। उन्होंने टिप्पणी की कि संसदीय संस्थानों की निरंतर विश्वसनीयता इसी गरिमा, तटस्थता और अधिकार को बनाए रखने पर निर्भर करती है। गुप्ता ने कहा कि यदि संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अध्यक्ष के विरुद्ध प्रस्ताव लाए जाते हैं, तो इससे संसदीय प्रणाली की मूल भावना को नुकसान पहुंचने का जोखिम बना रहता है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक शासन को बनाए रखने वाली संस्थाओं के प्रति संयम और जिम्मेदारी का भाव रखना चाहिए, ताकि संसदीय स्थिरता और लोकतांत्रिक मर्यादा बनी रहे। गुप्ता ने उन सांसदों की भी सराहना की जिन्होंने इस प्रयास के विरुद्ध दृढ़ता से खड़े होकर संसदीय परंपराओं की पवित्रता बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अंत में गुप्ता ने कहा कि ओम बिरला के नेतृत्व में लोक सभा ने संतुलन और गरिमा के साथ कार्य करना जारी रखा है, जिससे अनुशासन और शिष्टाचार के साथ सार्थक लोकतांत्रिक बहस संभव हुई है। उन्होंने लोक सभा अध्यक्ष के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और विश्वास जताया कि यह संस्थान भविष्य में भी संसदीय लोकतंत्र की उच्चतम परंपराओं को अक्षुण्ण रखेगा। उल्लेखनीय है कि इस प्रस्ताव को सदन में ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया, जिससे पीठासीन अधिकारी के अधिकार और निष्पक्ष कार्यप्रणाली में सदन के विश्वास की पुनः पुष्टि हुई है।

अंतर-विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में डीयू ने जीते तीन प्रथम पुरस्कार

नई दिल्ली। चेन्नई स्थित सत्यभामा विश्वविद्यालय में आयोजित 39वें एआईयू अंतर-विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025-26 में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के विद्यार्थियों ने तीन प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। 'समग्र साहित्यिक' श्रेणी में भी दिल्ली विश्वविद्यालय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीयू सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष अनूप लाठर ने बताया कि इस युवा महोत्सव का आयोजन 10 से 14 मार्च तक चेन्नई में किया गया था। उन्होंने बताया कि डीयू के विद्यार्थियों ने दस श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रत्येक श्रेणी में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए हैं। अनूप लाठर ने कहा कि यह सब डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह के निर्देशन और निरंतर मार्गदर्शन व संरक्षण में संभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक परिषद के डीन प्रो. रविंदर कुमार के गतिशील मार्गदर्शन और संयुक्त-डीन डॉ. हेमंत वर्मा के समन्वित प्रयासों के कारण सांस्कृतिक परिषद नई ऊंचाइयों को छू रही है। इस अवसर पर डीयू सांस्कृतिक परिषद के डीन प्रो. रविंदर

कुमार ने बताया कि वाद-विवाद (अंग्रेजी), वाद-विवाद (हिंदी) और कार्टूनिंग में डीयू के विद्यार्थियों ने प्रथम प्राप्त किये हैं। क्विज, शास्त्रीय वाद्य (नॉन प्रेक्यूशन) एकल और पाश्चात्य गायन एकल में द्वितीय स्थान प्राप्त किये हैं। उन्होंने बताया कि एलुकेशन (अंग्रेजी), समूह गान (भारतीय), शास्त्रीय वाद्य (प्रेक्यूशन) एकल और शास्त्रीय गायन एकल में डीयू के विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान प्राप्त किये हैं। प्रो. रविंदर कुमार ने बताया कि चेन्नई गए डीयू के विद्यार्थियों के साथ टीम प्रभारी डॉ. रिगजिन कांग और डॉ. सुकन्या टिकदार तथा संकाय समन्वयक डॉ. मुनेश कुमारी और डॉ. देबाशीष पराशर भी उपस्थित थे।

लाल किला धमाका मामले के दो आरोपित 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज पीतांबर दत्त ने लाल किला ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार तुफैल अहमद भट और जमीर अहमद अहंगर को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दोनों आरोपितों की सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 11 मार्च को दोनों को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था। 25 फरवरी को दोनों आरोपितों को जम्मू-कश्मीर की पुलिस दिल्ली में प्रोडक्शन वारंट पर लायी थी। उसके बाद से दोनों एनआईए की हिरासत में थे। एनआईए के मुताबिक, जमीर अहमद को उमर उन नबी, मुफ्ती इरफान और डॉक्टर अदील अहमद रतहर ने राइफल, पिस्तौल और

जिंदा कारतूस उपलब्ध कराए थे। दोनों आरोपियों का संबंध आतंकी समूह अंसार गजवत-उल-हिंद से है। एनआईए के मुताबिक 10 नवंबर, 2025 को लाल किले के बाहर हुए कार बम विस्फोट की योजना उमर उन नबी ने बनाई थी। उमर उन नबी की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस ब्लास्ट में 15 लोगों की जान गई थी और करीब दो दर्जन लोग घायल हुए थे। एनआईए ने आरोपित दानिश को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एनआईए के मुताबिक दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए थे और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की। दानिश ने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई। राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने ब्रेनवाश किया। वह अक्टूबर, 2024 में कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया। लाल किले के पास 10 नवंबर, 2025 को आई-10 कार में ब्लास्ट हुआ था। ये कार आमिर रशीद अली के नाम पर थी। इस ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हुई थी और 32 लोग घायल हो गए थे।

दिल्ली: छात्र-कार्यकर्ताओं की हिरासत से जुड़े सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वो सामाजिक कार्यकर्ताओं के हालिया हिरासत से संबंधित स्पेशल सेल के परिसर के सीसीटीवी फुटेज संरक्षित रखे। जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस से कहा कि आप क्या जांच कर रहे हैं ये हमें नहीं पता, लेकिन नियम-कायदों का पालन कीजिए। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को होगी। सुनवाई के दौरान सोमवार को एक सामाजिक कार्यकर्ता रुद्र विक्रम के वकील जसदीप ढिल्लो ने कहा कि इस मामले में बाकी कार्यकर्ताओं को 14 मार्च को रिहा किया गया जबकि रुद्र को 15 मार्च की सुनवाई के बाद छोड़ा गया। ढिल्लो ने कहा कि रुद्र को हिरासत के दौरान प्रताड़ित किया गया। उसके हाथ, पैर, चेहरे और प्राइवेट पार्ट पर हमला किया गया। रुद्र का मेडिकल चेक अप कराने के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का आदेश देने की मांग की। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि सभी

कार्यकर्ताओं को पूछताछ के लिए बुलाया गया था लेकिन वे नहीं आए। तब कोर्ट ने कहा कि आपके पास अधिकार है। हम ये नहीं जानते कि आप क्या जांच कर रहे हैं, लेकिन आप जो भी करना चाहते हैं वे नियम-कायदों के मुताबिक करें। तब दिल्ली पुलिस ने कहा कि हम कोर्ट को आश्वासन देना चाहते हैं कि सब कुछ नियम-कायदों से ही होगा। दिल्ली पुलिस ने 15 मार्च को कहा था कि अवैध हिरासत में रखे गए सामाजिक कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया गया है। तब कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर पूछा था कि उन्होंने किस आधार पर और किन परिस्थितियों में इन कार्यकर्ताओं को हिरासत में रखा। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के संबंधित इलाके का सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने का आदेश दिया था। 15 मार्च को तीन कार्यकर्ताओं एहसानुल हक, राजबीर और सागरिका राजौरा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई की थी। वकील शाहरुख आलम ने 14 मार्च को चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मेंशन करते हुए इन याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट ने 15 मार्च को सुनवाई करने का आदेश दिया था। सागरिका राजोरा ने अपनी बहन लक्षिता राजोरा को कोर्ट के समक्ष पेश करने की मांग की थी। याचिका में दावा किया गया था कि लक्षिता राजोरा 13 मार्च की शाम से दिल्ली यूनिवर्सिटी के पास विजय नगर इलाके से लापता थीं और उसका फोन भी बंद था। याचिका में कहा गया था कि वो विजय नगर इलाके में एक छात्र संगठन के दफ्तर गई। 13 मार्च के शाम आठ बजे के बाद से लक्षिता राजोरा का मोबाइल फोन बंद था। याचिका में कहा गया था कि लक्षिता राजोरा छात्र संगठन के जिस दफ्तर में गई थी उस दफ्तर में मौजूद कई लोगों का शाम आठ बजे से कोई अता-पता नहीं है। याचिका में आशंका जताई गई थी कि लक्षिता राजोरा को दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने उठा लिया है। याचिका में कहा गया था कि करीब आठ महीने पहले लक्षिता राजोरा और उसके साथियों को अवैध रुप से हिरासत में रखा गया था। उस दौरान उन्हें करीब एक हफ्ते तक अवैध रुप से हिरासत में प्रताड़ित किया गया था और एक हफ्ते बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया था।

अंजुमन सैर-ए-गुल फरोशां के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक पुष्प पंख भेंटकर किया अभिनंदन

नई दिल्ली। दिल्ली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गंगा-जमुनी तहजीब के प्रतीक ऐतिहासिक उत्सव 'फूल वालों की सैर' के अंतर्गत सोमवार को दिल्ली सचिवालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पारंपरिक शहनाई की गूंज के बीच 'अंजुमन सैर-ए-गुल फरोशां' के सदस्यों ने पारंपरिक रूप से शहनाई वादन के साथ फूलों के पंखे भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि फूल वालों की सैर केवल एक उत्सव नहीं बल्कि दिल्ली की साझा सांस्कृतिक विरासत और सद्भाव की अद्भुत मिसाल है। यह परंपरा याद दिलाती है कि विविधताओं से भरी हमारी संस्कृति में एकता और भाईचारे की भावना सदैव सर्वोपरि रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की ऐतिहासिक परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। समाज में आपसी सम्मान और सौहार्द्र की भावना को मजबूत करते हैं। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि फूल वालों की सैर का यह उत्सव साझा सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने का काम करता है। यह आयोजन समाज में सद्भाव, एकता और भाईचारे का संदेश देने वाली ऐतिहासिक परंपरा है। इससे दिल्ली की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। इस वर्ष 'फूल वालों की सैर 2026' का आयोजन 15 से 21 मार्च तक किया जा रहा है।

संपादकीय

वैश्विक ऊर्जा संकट

ऊर्जा संकट का आर्थिक प्रभाव भी कम गंभीर नहीं होता। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। परिवहन, उद्योग और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। इसलिए ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है। आज की दुनिया को अक्सर 'वैश्विक गांव' कहा जाता है। तकनीक, व्यापार और संचार के विस्तार ने देशों को इतना परस्पर जुड़ा हुआ बना दिया है कि विश्व के किसी भी हिस्से में घटित घटना का प्रभाव सीमाओं से परे जाकर अन्य देशों तक पहुंच जाता है। पश्चिम-एशिया में हाल ही में बढ़े सैन्य तनाव और युद्ध की स्थिति ने इस वास्तविकता को एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है। अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और उसके बाद उत्पन्न भू-राजनीतिक संकट ने केवल क्षेत्रीय सुरक्षा को ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित किया है। इसका असर भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देशों पर विशेष रूप से दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया विश्व की ऊर्जा राजनीति का केंद्र माना जाता है। तेल और गैस के विशाल भंडार के कारण यह क्षेत्र दशकों से वैश्विक अर्थव्यवस्था की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता रहा है, लेकिन जब भी इस क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता पैदा होती है, तो उसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। वर्तमान संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा उत्पन्न हुई है, जिसका प्रभाव कई देशों के साथ-साथ भारत पर भी दिखाई देने लगा है। भारत में 'एलपीजी' (लिक्वीफाइड पैट्रोलियम गैस) गैस-सिलेंडरों की आपूर्ति में देरी, बुकिंग की अवधि में वृद्धि और होटल-रेस्टोरेंट उद्योग में गैस की कमी जैसी समस्याएं इसी व्यापक संकट की ओर संकेत करती हैं। भारत की ऊर्जा संरचना को समझे बिना इस समस्या की गंभीरता को नहीं समझा जा सकता। भारत विश्व के सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं में से एक है, लेकिन उसकी घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता अभी भी सीमित है। 'एलपीजी' की मांग का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है और इन आयातों का अधिकांश भाग पश्चिम एशियाई देशों से आता है। ऐसी स्थिति में यदि उस क्षेत्र में युद्ध या परिवहन मार्गों में बाधा उत्पन्न होती है, तो उसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ना स्वाभाविक है। भारत में रसोई गैस केवल एक घरेलू ईंधन नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। पिछले दशक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों परिवारों को 'एलपीजी' कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

अर्थव्यवस्था की जरूरतों से जुड़े शिक्षा

प्रधानमंत्री मोदी ने शैक्षणिक संस्थानों से उनके परिसरों को उद्योग सहयोग और शोध आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया, ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बजट के तहत नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एनिमेशन, विज़ुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सेक्टर पर विशेष ध्यान भी दिया गया है। निःसंदेह एक अप्रैल 2026 से क्रियान्वित किए जाने वाले आगामी वर्ष के बजट आवंटनों से भारत की जेन-जी पीढ़ी (सन 1997 से 2012 के बीच पैदाइश) एआई, स्वचालन, नए डिजिटल कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता से देश की नई आर्थिक और तकनीकी शक्ति बनाने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के लिए जेन-जी पीढ़ी एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ है। दुनिया में सबसे अधिक जेन-जी की आबादी भारत में है। भारत में जेन-जी की आबादी लगभग 37.7 करोड़ है, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग एक चौथाई हिस्सा है।

डा. जयंतीलाल भंडारी

उल्लेखनीय है कि एक लाख करोड़ रुपए का रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन फंड लॉन्च हुआ है, उसका लाभ देश के अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को ताकत देने में किया जाना होगा। साथ ही इस फंड के माध्यम से सरकार को निजी क्षेत्र के लिए तकनीकी शोध, स्टार्टअप में निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि इस बजट के तहत देश की शिक्षा व्यवस्था को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस जैसी अर्थव्यवस्था की नई वास्तविक जरूरतों से जोडने हेतु प्रभावी पहल की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शैक्षणिक संस्थानों से उनके परिसरों को उद्योग सहयोग और शोध आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया, ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बजट के तहत नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सेक्टर पर विशेष ध्यान भी दिया गया है। निःसंदेह एक अप्रैल 2026 से क्रियान्वित किए जाने वाले आगामी वर्ष के बजट आवंटनों से भारत की जेन-जी पीढ़ी (सन 1997 से 2012 के बीच पैदाइश) एआई, स्वचालन, नए डिजिटल कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता से देश की नई आर्थिक और तकनीकी शक्ति बनाने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के लिए जेन-जी पीढ़ी एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ है। दुनिया में सबसे अधिक जेन-जी की आबादी भारत में है। भारत में जेन-जी की आबादी लगभग 37.7 करोड़ है, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। वस्तुतः भारत में जेन-जी इंजीनियर, जेन-जी डिजाइनर, जेन-जी कोडर और जेन-जी विज्ञानी नई टेक्नोलाजी की रचना कर रहे हैं। जेन-जी भारत को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है। यह पाया गया है कि भारत की जेन-जी पीढ़ी सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) में लगातार अधिक कामयाब हो रही है। ऐसे में सरकार के द्वारा सेवा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों के लिए जेन-जी पीढ़ी के अधिक लोगों को तैयार करना होगा।

जेन-जी पीढ़ी की ऊर्जा को सही दिशा में निर्देशित किया जाना होगा, वहीं इस पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों में गहरी आस्था के साथ वैश्विक चुनौतियों के लिए भी तैयार किया जाना होगा। सरकार को नए बजट के प्रावधानों से भारत की विशाल और प्रतिभा सम्पन्न जेन-जी पीढ़ी को भारत की नई शक्ति बनाने की बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ाना होगा। निश्चित रूप से सरकार के द्वारा बजट 2026-27 के तहत युवाओं को एआई आधारित नए दौर के रोजगार मौकों के लिए तैयार करने की रणनीतिक पहल की गई है। ज्ञातव्य है कि 16 फरवरी से 21 फरवरी तक नई दिल्ली से आयोजित इंडिया ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इम्पैक्ट समिट-2026 से भारत की मुट्ठियों में जो तकनीकी और रणनीतिक मोर्चों पर बड़ी उपलब्धियां आई हैं, उनसे दुनिया के एआई नक्शे पर भारत चमकते हुए दिखाई दे रहा है। इस इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के तहत दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों और भारत के बड़े इंडस्ट्री ग्रुप्स ने 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की घोषणाएं कर यह संकेत दे दिया है कि आने वाला दशक भारत के लिए एआई बुनियादी ढांचे की ऊंचाई का दशक हो सकता है। समिट के दौरान हुए समझौतों ने यह दिखाया कि भारत सिर्फ एआई तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका बड़ा उत्पादक और निर्यातक बनने की तैयारी में है। यह बात महत्वपूर्ण है कि एआई के सीईओ सैम आल्ट मैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गुगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। चूंकि भारत का श्रम बाजार ढांचागत बदलाव से गुजर रहा है।

नीति आयोग की रिपोर्टों के तहत भी बड़ी संख्या में पारंपरिक नौकरियां खत्म होने और एआई से जुड़ी नई नौकरियां निर्मित होने की बात कही गई है। हाल ही में प्रकाशित नीति आयोग की रिपोर्ट रोडमैप फॉर जॉब क्रिएशन इन द एआई इकोनॉमी 2025 के मुताबिक एआई के बढ़ते प्रभाव से जहां 2031 तक बड़ी संख्या में पारंपारिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, वहीं एआई से जुड़ी करीब 40 लाख नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई-स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है जिसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। ऐसे में तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव इन परिवर्तनों के कारण नई हाई-स्किल्ड नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनिया भर में उद्योगों और व्यवसायों को नया रूप मिलता हुआ दिखाई देगा। इसके मद्देनजर देश की नई पीढ़ी को एआई आधारित नौकरियों के बढ़ते अवसरों के बीच एआई पेशेवर के रूप में सुसज्जित किया जाना होगा। नई पीढ़ी को स्कूली शिक्षा के साथ प्रारंभिक स्तर से ही एआई से जोड़ जाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत सरकार ने तेजी से शोध और नवाचार की डगर पर आगे बढने की रणनीति प्रस्तुत की है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश के लिए बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के तेजी से बढने से भारत में ख्याति प्राप्त वैश्विक फाइनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि एक लाख करोड़ रुपए के रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन (आरडीआई) फंड लॉन्च हुआ है, उसका लाभ देश के अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को ताकत देने में किया जाना होगा। साथ ही इस फंड के माध्यम से सरकार को निजी क्षेत्र के लिए तकनीकी शोध, स्टार्टअप, इनोवेशन और औद्योगिक विकास में निवेश को प्रोत्साहित करना होगा, चूंकि भारत अब टेक्नोलॉजी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का नेतृत्वकर्ता बन चुका है, अतएव आरडीआई फंड से विज्ञान, उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग को नई मजबूती देते हुए वैश्विक विज्ञान नेतृत्व की दिशा में आगे बढना होगा।

साझा चूल्हा: संकट से समाधान की राह

- डॉ. प्रियंका सौरभ

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है– समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता।

भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है–"साझा चूल्हा"। साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे। इससे ईंधन की बचत होती थी, श्रम का बंटवारा होता था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि समाज के लोगों के बीच संवाद और अपनापन बना रहता था। भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था।

समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया। तकनीकी विकास, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को धीरे-धीरे कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई और अलग चूल्हा है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन इसके साथ ही समाज में एक प्रकार की दूरी भी बढ़ी है। पड़ोस में रहने वाले लोग भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रह जाते हैं।

इसी संदर्भ में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक दृष्टि से भी सोचने की आवश्यकता है। क्या हम अपनी परंपराओं से कोई ऐसी सीख ले सकते हैं जो आज की परिस्थितियों में भी उपयोगी हो? "साझा चूल्हा" का विचार इसी दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, गुरुद्वारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन प्राप्त करते हैं। वहाँ न जाति का भेद होता है, न आर्थिक स्थिति का। सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा केवल सेवा भावना ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और एकता का भी प्रतीक है। यदि समाज ऐसे बड़े आयोजनों में सामूहिक रसोई को सहजता से स्वीकार कर सकता है, तो फिर रोजमर्रा के जीवन में इस विचार को अपनाने में संकोच क्यों? यह आवश्यक नहीं कि हर जगह बड़े स्तर पर सामुदायिक रसोई स्थापित की जाए, लेकिन छोटे-छोटे स्तर पर भी सहयोग की भावना विकसित की जा सकती है। उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले या समुदाय के कुछ परिवार मिलकर सामूहिक रूप से भोजन बनाने की व्यवस्था कर सकते हैं, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब संसाधन सीमित हों या खर्च अधिक हो रहा हो। यह विचार केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। साझा चूल्हा समाज में सहयोग और संवाद की संस्कृति को भी मजबूत कर सकता है। जब लोग एक साथ बैठते हैं, काम करते हैं और भोजन साझा करते हैं, तो उनके बीच विश्वास और समझ बढ़ती है। सामाजिक तनाव कम होते हैं और समुदाय की एकजुटता मजबूत होती है।

खेती-किसानी, पशुपालन या अन्य श्रमसाध्य कार्यों से जुड़े लोग इस भावना को अधिक अच्छी तरह समझते हैं। ग्रामीण जीवन में श्रम और संसाधनों का साझा उपयोग एक सामान्य बात है। खेतों में काम के दौरान कई परिवार मिलकर भोजन की व्यवस्था करते हैं। त्योहारों और सामाजिक अवसरों पर भी सामूहिक भोजन की परंपरा देखने को मिलती है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सरल और संतुलित बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी है। इसके विपरीत, आधुनिक शहरी जीवन ने कई लोगों को सुविधाओं के बीच तो रखा है, लेकिन उन्हें सामाजिक ताने-बाने से कुछ हद तक दूर भी कर दिया है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी जीवन की अवधारणा ने सामूहिकता की भावना को कमजोर किया है। लोग अपने घरों में सीमित हो गए हैं और पड़ोस या समुदाय के साथ उनका संपर्क कम होता जा रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि समाज में एक प्रकार का अकेलापन और अलगाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में साझा चूल्हा केवल आर्थिक या व्यावहारिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का भी एक प्रतीक बन सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज की असली ताकत केवल सरकारी नीतियों में नहीं, बल्कि लोगों के आपसी सहयोग और एकता में भी होती है। जब समाज संगठित होता है, तो वह कई समस्याओं का समाधान स्वयं खोज लेता है। बेशक, आज की परिस्थितियाँ पहले जैसी नहीं हैं। शहरों की जीवनशैली, काम के अलग-अलग समय और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के कारण हर जगह साझा चूल्हा लागू करना संभव नहीं हो सकता। लेकिन इस विचार का मूल संदेश– सहयोग और साझेदारी–आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। यदि समाज इस भावना को अपनाए, तो कई समस्याओं का प्रभाव स्वतः कम हो सकता है। दरअसल, संकट के समय समाज की असली परीक्षा होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कठिन परिस्थितियाँ आईं, भारतीय समाज ने सामूहिकता और सहयोग के बल पर उनका सामना किया है। प्राकृतिक आपदाओं से लेकर आर्थिक चुनौतियों तक, लोगों ने एक-दूसरे की मदद करके परिस्थितियों को संभाला है। यही हमारी सामाजिक संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है।

आज जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक और ऊर्जा संबंधी चुनौतियाँ सामने हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक समाधान की दिशा में भी सोचें। साझा चूल्हा इसी सोच का एक प्रतीक हो सकता है–एक ऐसा प्रतीक जो हमें बताता है कि संकट केवल समस्या नहीं, बल्कि अवसर भी हो सकता है। यदि समाज में सहयोग और साझेदारी की भावना मजबूत हो, तो कई कठिनाइयाँ आसान हो जाती हैं। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है और समस्याओं का बोझ भी साझा हो जाता है। यही कारण है कि सामुदायिक जीवन की परंपराएँ सदियों तक हमारे समाज को स्थिर और मजबूत बनाए रखती रही हैं।

तो यह है जीवन का परमआनंद

हमारे धर्म ग्रंथों में अमूमन इस बात का उल्लेख मिलता है कि ईश्वर की शरण में जाने से मनुष्य को परम आनंद की प्राप्ति होती है। आखिर ये परम आनंद क्या है? ये कहां मिलता है? एक आम आदमी को इन दोनों प्रश्नों का उत्तर कभी नहीं मिल पाता और इसीलिए उसकी अध्यात्म के पथ पर उन्नति नहीं हो पाती। परम आनंद के बारे में भगवान ने गीता में बताया है कि वह स्थिति जिसमें मनुष्य सुख, दुख, हानि, लाभ, क्रोध, मोह और अहंकार आदि से मुक्त होकर स्वयं में स्थापित हो चुका हो। यानी मन का पूर्णतया निग्रह। मन, इंद्रियों द्वारा मनुष्य को संसार में लिप्त करके उसकी प्रवृत्ति को वाह्य बनाता है और वह संसार में इंद्रियों के द्वारा सुख की खोज में भटकता रहकर जीवन-मरण का चक्कर लगाता रहता है। इसीलिए परमानंद की प्राप्ति के लिए सबसे पहले मन की प्रवृत्ति को अपने अंदर की ओर मोड़ना चाहिए। अज्ञानवश लोग मन को बलपूर्वक संसार से विरक्त करने की कोशिश करते हैं जो पूर्णतया निर्थक व गलत मार्ग है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी स्थिति में जब भी मन का नियंत्रण ढीला पड़ता है वह दोबारा इंद्रिय भोग द्वारा संसार के भोगों में लिप्त हो जाता है। आनंद के लिए पहले कदम के रूप में सर्वप्रथम मनुष्य को संसार का लेन-देन समाप्त करना चाहिए। लेन-देन केवल धन तक ही सीमित नहीं है बल्कि भावनात्मक पहलू धन से भी ज्यादा अहम व आवश्यक है। नकारात्मक भावों के कारण वह कामना रूपी प्रेम, अहंकार, जलन, ईर्ष्याऔर बदले की भावना व क्रोध से पीड़ति रहता है। नकारात्मक भावों के कारण ही उसे शारीरिक रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदयरोग होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। भगवान का गीता में बताया गया यह कथन कि विषयों का चिंतन करने वाले पुरुष की उन विषयों में आसक्ति हो जाती है, आसक्ति से उन विषयों की कामना उत्पन्न होती है और कामना में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक समाप्त होकर बुद्धि भी नष्ट हो जाती है। इस प्रकार मनुष्य का पतन हो जाता है। सनातन धर्म में मनुष्य के जीवन चक्र को नियंत्रित करने के लिए आश्रम व्यवस्था है। वानप्रस्थ आश्रम में मनुष्य को धीरे-धीरे अपने आपको गृहस्थ आश्रम व दुनियादारी के लेन-देन से मुक्त कर लेना चाहिए और जीवन के शेष भाग को सम स्थिति में रहकर परमानंद में स्थित हो जाना चाहिए।

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1969 - गोल्डा मेयर इजराइल की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनीं।
1987 - क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया।
1994 - रूस द्वारा नाटो की शान्ति सहयोग योजना में शामिल होने का निर्णय।
1996 - लाहौर में सम्पन्न छठे विल्स विश्व कप का ख़िताब श्रीलंका ने आस्ट्रेलिया को हराकर जीता।
1998 - झू रोंगजी चीन के नये प्रधानमंत्री निर्वाचित।
2002 - नेपाल में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में 68 माओवादी मारे गये।
2003 - श्रीलंका शांति वार्ता का छठा दौर हाकीन, जापान में शुरू।
2004 - नासा का मैसेंजर बुध ग्रह की कक्षा में प्रवेश करने वाला पहला अंतरिक्ष यान बना।
2006 - अमेरिका ने भारत को भरोसेमन्द साझीदार घोषित किया।
2008 - चीनी मिलों को ब्याज मुक्त ऋृण देने के लिए 'चीनी विकास निधि संशोधन विधेयक' 2008 ध्वनि मत से पारित हुआ।
2009- बैंक ऑफ़ इंडिया ने अपनी बेंचमार्क प्रधान उधारी दरों में 0.5% की कटौती की।
2018- मॉरिशस की राष्ट्रपति अमीना गुरीब-फकीम का अपने पद से इस्तीफा।

जन्म

1406 - अरब इतिहासकार, समाजशास्त्री इब्ने खल्दून।
1763 -अब्बासी खलीफा हारून-अल-रशीद।
1864 - जोसेफ बैपटिस्टा - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा अधिवक्ता।
1891 - रामनवमी प्रसाद - जाति-भेद के विरोधी और महिला शिक्षा के प्रबल समर्थक थे।
1920 - बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीब-उर-रहमान।

निधन

1957 - फिलीपींस के राष्ट्रपति रैमन मैग्सेसे ।
1977 - सिद्धेश्वरी देवी - शास्त्रीय संगीत गायिका।
1989 - हेमवती नंदन बहुगुणा - उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहने वाले जानेमाने राजनीतिज्ञ और राजनेता थे।
2019 - मनोहर पर्रीकर - गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री थे।

युद्ध के दुष्प्रभाव से बचाव के लिए काम आई मोदी की कूटनीति

मनोज कुमार अग्रवाल

अमरीका और इजरायल के ईरान के साथ चल रहे विनाशकारी युद्ध के बीच पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति की वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का संकेत दिया है। ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने कहा कि भारत हमारा मित्र है और जल्द ही भारतीय जहाजों को रास्ता मिलेगा।

ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच वैश्विक ईंधन संकट गहराता जा रहा है। इस तनावपूर्ण माहौल में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान की नीति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि यह समुद्री रास्ता सबके लिए बंद नहीं है, बल्कि केवल चुनिंदा देशों के लिए प्रतिबंधित है।

बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की लगभग 20% तेल आपूर्ति का मुख्य रास्ता है। पिछले महीने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद से तेहरान ने इस मार्ग पर नाकेबंदी सख्त कर दी है जिससे तेल और गैस की सप्लाई रुक गई है और पूरी दुनिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं।आज के वैश्वीकरण के दौर में दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाला संघर्ष केवल स्थानीय नहीं रह जाता, बल्कि उसके प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जाते हैं। पश्चिम एशिसया में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव भी ऐसा ही एक उदाहरण है। भौगोलिक दृष्टि से भारत इन देशों से हजारों किलोमीटर दूर है, लेकिन आर्थिक, रणनीतिक और मानवीय संबंधों के कारण इस युद्ध के प्रभाव से भारत अछूता नहीं है। अमरीका और इज़रायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। उसके मुख्य नेता अयातुल्ला अली खामेनेई सहित वरिष्ठ नेताओं और महत्त्वपूर्ण सैन्य जरनैल इस हमले में मारे गए थे। इनका युद्ध तो चाहे दो सप्ताह पहले ही शुरू हुआ था, परन्तु ईरान और इज़रायल की दुश्मनी दशकों पुरानी है। ईरान ने इज़रायल का अस्तित्व मिटाने का पहले से ही संकल्प लिया हुआ है। इज़रायल न सिर्फ उससे पूरी टक्कर ले रहा है अपितु नज़दीक के कई अरब क्षेत्रों, जिनमें फिलिस्तीनियों ने शरण ली हुई है, पर भी समय-समय पर कब्ज़ा करके वहां उसके द्वारा अपनी स्थायी बस्तियां बना ली गई हैं।चाहे लम्बी अवधि व्यतीत होने के बाद ज्यादातर अरब देश इज़रायल के अस्तित्व को स्वीकार भी करने लगे हैं और उसके साथ किसी न किसी रूप में अपने संबंध भी बहाल कर रहे हैं परन्तु ईरान ने नज़दीकी देश लेबनान में हिजबुल्ला जैसे कट्टर संगठन और यमन में हूती संगठन के साथ-साथ गाजा पट्टी में हमास गुरिल्लों को दशकों से सहायता देकर उन्हें इजरायल से मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार किया हुआ है, जो समय-समय पर इस पर हमले भी करते रहते हैं। इस बार इस लड़ाई की शुरुआत भी गाजा पट्टी में प्रशासन चला रहे हमास संगठन द्वारा 7 अक्तूबर, 2023 को पहले इज़रायल पर हमला किया गया था, जिसके बाद यह लड़ाई गम्भीर रूप धारण करती रही, जिसकी भेंट 80,000 से अधिक गाजा पट्टी में बसे हुए फिलिस्तीनी भी चढ़ गए परन्तु इसके साथ-साथ दोनों देशों की आपसी दुश्मनी लगातार और भी बढ़ती गई। अब शुरू हुई इस लड़ाई में जहां अमरीका द्वारा ईरान का प्रत्येक पक्ष से भारी नुकसान किया जा रहा है, वहीं ईरान की ओर से भी वैकल्पिक रूप में इज़रायल और खाड़ी देशों के उन देशों पर हमले किए जा रहे हैं, जिनमें अमरीकी अड्डे स्थापित हैं। यह लड़ाई तेल और गैस से भरपूर खज़ानों वाले देशों में हो रही है, जिसका सीधा प्रभाव विश्व भर के देशों पर पड़ रहा है। कच्चे तेल के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में आयात की जाती महत्त्वपूर्ण खाद की भी बड़ी कमी महसूस की जाने लगी है।

आपको बता दें भारत में 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चे तेल और यूरिया का आयात किया जाता है। इसीलिए इस युद्ध का सीधा प्रभाव देश पर पड़ा है। इससे एक तरह से हाहाकार मचा हुआ दिखाई देने लगा है। युद्ध लम्बा होने की आशंका से लोगों में बेचैनी और परेशानी लगातार बढ़ रही है। देश भर में पेट्रोल और डीज़ल के साथ-साथ रसोई गैस की भी भारी किल्लत पैदा होने के समाचार मिलने शुरू हो गए हैं, जिस कारण इन वस्तुओं की मांग एकाएक बढ़ गई है, जिसकी शीघ्र पूर्ति करना बेहद कठिन है। चाहे ऊर्जा मंत्री लगातार संसद में यह बयान दे रहे हैं कि इन ज़रूरी वस्तुओं की कमी नहीं आने दी जाएगी और यह भी कि इसके बड़ भंडार देश में हैं परन्तु इसके बावजूद जिस तरह अफवाहें फैल रही हैं और सप्लाई संबंधी अनिश्चितता बढ़ती जा रही है, उसे लेकर देश भर में गैस एजेंसियों के समक्ष भीड़ एकत्रित होना शुरू हो गई है। पेट्रोल और डीज़ल के साथ-साथ गैस की मांग भी चार गुणा बढ़ गई है, जिससे हालात बेकाबू होने लगे हैं। स्थिति का लाभउठाकर जमाखोरी और काला बाज़ारी का धंधा भी प्रफुल्लित होने लगा है। मांग बढ़ने से पम्पों पर पैट्रोल और डीज़ल की सप्लाई में देरी होने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में पेट्रोल पम्पों से किसानों और अन्य द्वारा भारी मात्रा में डीज़ल और पेट्रोल खरीदने के समाचार प्राप्त होने शुरू हो गए हैं। विपक्षी पार्टियों ने चल रहे संसद अधिवेशन में और बाहर इन वस्तुओं की आपूर्ति के विरुद्ध कड़ी बयानबाज़ी और प्रदर्शन करने शुरू कर दिए हैं।इस संबंध में पैट्रोलियम और गैस मंत्री हरदीप पुरी के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी स्थिति के संबंध में डर का माहौल पैदा करने का यत्न करने वाले लोगों की कड़ी आलोचना की है और कहा है कि मौजूदा संकट से कोई भी देश बच नहीं सका परन्तु सरकार देश की ऊर्जा सुरक्षा को बनाये रखने के लिए पूरा यत्न कर रही है। उन्होंने जहां जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले लोगों को चेतावनी दी है, वहीं राज्य सरकारों को भी ऐसी स्थिति पर नज़र रखने के लिए कहा है, परन्तु हालात ऐसे बन रहे हैं कि देश में ज्यादातर स्थानों पर व्यापारिक (कमर्शियल) सिलेंडरों की कमी के कारण होटल कारोबार और उद्योग पर प्रभाव पड़ना शुरू हो गया है। गैस के लिए ज्यादातर स्थानों पर ऑनलाइन बुकिंग बंद कर दी गई है। राजधानी दिल्ली में भी कई रैस्टोरेंट और दुकानें बंद रहीं। एक अनुमान के अनुसार 70 प्रतिशत रैस्टॉरेंटों का काम प्रभावित हुआ है। गैस एजेंसियों के बाहर भीड़ की लम्बी कतारें लगनी शुरू हो गई हैं, जिस कारण स्थान-स्थान पर उलझन भरी स्थिति बन गई है।

आपको पता है कि भारत के लिए इस युद्ध के प्रभाव से बच पाना बेहद कठिन है। सरकार के समक्ष पैदा हो रही यह स्थिति एक बड़ी चुनौती है। पहले ही चिन्तावान हुई केन्द्र सरकार को बड़ी तत्परता दिखाते हुए इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए बड़ यत्न करने की ज़रूरत होगी।युद्ध की स्थिति में सरकार पर अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने का दबाव भी बढ़ जाता है। हाल के समय में हजारों भारतीयों को युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से निकालने की कोशिशें भी की गई हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि ऐसे संघर्ष केवल कूटनीतिक मुद्दे नहीं होते, बल्कि मानवीय संकट भी पैदा कर सकते हैं। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत रणनीतिक स्वायत्तता रहा है। इसका अर्थ है कि भारत किसी एक शक्ति गुट के साथ पूरी तरह से जुड़ने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संतुलित नीति अपनाता है। पश्चिम एशिया के इस संघर्ष में भारत के सामने यही सबसे बड़ी कूटनीतिक चुनौती है। इजरायल भारत का एक महत्वपूर्ण रक्षा सहयोगी है और कृषि तथा तकनीकी क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी है। वहीं अमेरिका के साथ भारत के सामरिक और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

सरकार ने फिर दोहराया देश में कुकिंग गैस की कोई किल्लत नहीं

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच देश में ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक जहाजों के सुरक्षित निकासी और भारतीयों की स्वदेश वापसी के प्रयास कर रही है। सरकार ने फिर दोहराया कि देश में कुकिंग गैस की कोई किल्लत नहीं है और वितरण एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है।

एलपीजी से लदा एक जहाज भारतीय तट पर पहुंच रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई लगातार मिल रही है और डिस्ट्रीब्यूटर-लेवल पर कहीं भी स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि अब लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन ही की जाती हैं और 'डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड' का इस्तेमाल बढ़कर 72 प्रतिशत तक पहुंच गया है। राज्यों ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। साथ ही, जिन उपभोक्ताओं के पास पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन हैं, उन्हें सलाह दी गई है कि वे अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दें और घबराहट में बुकिंग करने से बचें। इसके अलावा कच्चे तेल की सप्लाई पर्याप्त बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। पेट्रोल पंप भी सामान्य रूप से चल रहे हैं और कहीं भी तेल खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

प्राकृतिक गैस की सप्लाई भी बिना किसी रुकावट के जारी है और सीएनजी तथा पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए 100 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कमर्शियल एलपीजी इस्तेमाल करने वालों को पीएनजी पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए सीजीडी कंपनियां इंसेंटिव दे रही हैं और नए कनेक्शन देने की प्रक्रिया को भी तेज़ कर रही हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को कहा कि तमाम मुश्किलों के बावजूद, तेहरान स्थित हमारा दूतावास पूरी तरह से काम कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में, दूतावास ने उन छात्रों को भी तेहरान से बाहर निकालकर ऐसे शहरों में पहुँचाया है, जो उनके लिए ज़्यादा सुरक्षित हैं।उन्होंने जानकारी दी कि ईरान में मौजूद 550 से ज़्यादा भारतीय नागरिक ज़मीनी सीमा पार करके आर्मेनिया पहुंच गए हैं। इसके अलावा ईरान से हमारे लगभग 90 नागरिक ज़मीनी सीमा के रास्ते अज़रबैजान भी पहुंचे हैं। इन लोगों की आवाजाही में तेहरान स्थित हमारे दूतावास ने मदद की।

दूतावास ने उन्हें वीज़ा दिलाने के साथ-साथ ज़रूरी इमिग्रेशन की औपचारिकताएँ पूरी करने में भी सहायता दी। इनमें से 284 तीर्थयात्रा के लिए ईरान गए थे। इनमें से कुछ लोग पहले ही भारत लौट चुके हैं, जबकि बाकी लोग अगले कुछ दिनों में वापस आ जाएँगे। बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलपीजी कैरियर शिवालिक फ़ारसी खाड़ी से रवाना होकर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पार कर भारत की ओर बढ़ रहा है। यह आज शाम लगभग 5 बजे तक पहुँच जाएगा। इसके पहुँचने से पहले ही बंदरगाह पर दस्तावेज़ीकरण, प्राथमिकता के आधार पर बर्थिंग और अन्य सभी ज़रूरी इंतज़ाम कर लिए गए हैं। इस जहाज से माल उतारने में किसी भी तरह की देरी न हो। उन्होंने बताया कि फ़ारस की खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में किसी भी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली है और हम स्थिति पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं। हम हर जहाज़ और उसके चालक दल के सदस्यों के साथ लगातार संपर्क में हैं। भारतीय ध्वज वाले 22 जहाज़ फ़ारस की खाड़ी में होर्मुज़ जलडमरूमध्य के पश्चिम में ही मौजूद हैं। इन पर 611 भारतीय नाविक सवार हैं।

'भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर नया शुल्क ढांचा तय होने के बाद ही होंगे'

- नया टैरिफ संरचना लागू होते ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर अमेरिका के नए वैश्विक शुल्क ढांचा तैयार होने के बाद ही किए जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि अमेरिका की नई वैश्विक टैरिफ संरचना लागू होने के बाद भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

अधिकारी ने कहा कि अंततः हर देश एक पैकेज के हिस्से के रूप में ऐसा समझौता करता है, जिसमें उसे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले तुलनात्मक लाभ मिलता है। अमेरिका के साथ प्रस्तावित अंतरिक व्यापार समझौते पर अधिकारी ने कहा कि जब भी हम तैयार होंगे, अमेरिकी पक्ष नए टैरिफ आर्किटेक्चर के साथ तैयार होगा। वह इस समझौते सौदे पर हस्ताक्षर करने का उपयुक्त समय होगा। आधिकारिक सूत्र ने बताया कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर किए जाने थे, लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के कारण अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) टैरिफ अब अस्तित्व में नहीं है।

अनुच्छेद 122 के तहत 10 फीसदी टैरिफ अब वैश्विक स्तर पर मौजूद हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत जिस भी समझौते पर हस्ताक्षर करेगा, वह टैरिफ संरचना के खिलाफ हस्ताक्षरित किया जाएगा। अमेरिका वैश्विक स्तर पर एक टैरिफ आर्किटेक्चर को फिर से बनाने की कोशिश कर रहा है। एक बार जब अमेरिका इसे बना लेगा, तो उस पर हस्ताक्षर करना बेहतर होगा।

वास्तविक हस्ताक्षर तब किए जाएंगे जब विश्व स्तर पर टैरिफ की नई संरचना अमेरिका द्वारा की जाएगी। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि हम रूसी तेल खरीद रहे हैं। रूस से कच्चे तेल की खरीदारी में और बढ़ोतरी हुई है। कनाडा के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर दोनों पक्ष पहले से ही वर्चुअली चर्चा कर रहे हैं, जो इस महीने भी होने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक ढांचे को अंतिम रूप देने की घोषणा पिछले महीने की थी।

इस ढांचे के तहत अमेरिका ने भारत पर शुल्क 18 फीसदी तक कम करने पर सहमति जताई थी, लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक शुल्क को निरस्त करने के बाद ट्रंप ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर फिलहाल 10 फीसदी शुल्क लागू कर दिया है।

केवी और नवोदय विद्यालयों में 13 हजार से अधिक शिक्षकों के पद खाली : शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। देशभर के केंद्रीय विद्यालयों (केवी) और जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) में 13,701 शिक्षकों के पद खाली हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, केवीएस में 8,618 और एनवीएस में 5,083 शिक्षकों के पद रिक्त हैं। उन्होंने बताया कि नए केंद्रीय और नवोदय विद्यालयों के खुलने, कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने, इस्तीफे, पदोन्नति, तबादले और अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर जाने और स्कूलों के अपग्रेड होने की वजह से समय-समय पर रिक्तियां उत्पन्न होती रहती हैं। खाली पदों को भरना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और केवीएस और एनवीएस के संबंधित भर्ती नियमों के प्रावधानों के अनुसार इन पदों को भरने की कोशिश की जाती है। मंत्री ने बताया कि केवीएस और एनवीएस द्वारा कुछ समय के लिए अनुबंध के आधार पर भी टीचर रखे जाते हैं, ताकि पढ़ाई-लिखाई की प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए। पिछले कुछ सालों में केवी और एनवी द्वारा लगातार हासिल किए गए ऊंचे रिजल्ट साफ़ तौर पर दिखाते हैं कि पढ़ाई के स्तर और छात्रों के प्रदर्शन को ठीक से बनाए रखा गया है और उनके साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नवंबर 2025 में प्रत्यक्ष भर्ती के लिए केवीएस ने 8,714 और एनवीएस ने 5,045 शिक्षकों के पदों के लिए अधिसूचना जारी की थी। मंत्री ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्रीय विद्यालय संगठन को वेतन, सामान्य व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए अनुदान के रूप में 9,503.84 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता प्रदान की गई है।

एलपीजी संकट पर राज्यसभा में सत्तापक्ष व विपक्ष में तीखी नोंकझोक

नई दिल्ली। देश में लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की उपलब्धता और कीमतों के मुद्दे सोमवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक देखने को मिली।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें टोका, जिसके बाद सदन में कुछ देर के लिए माहौल गर्म हो गया। खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी संकट की स्थिति बन गई है। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति होर्मुज की खाड़ी के रास्ते से आती है। ऐसे में हालात बिगड़ने से देश के कई हिस्सों में आम जनता, होटल, रेस्टोरेंट और हॉस्टल सहित विभिन्न क्षेत्रों में परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर एलपीजी सिलेंडर के दाम 5,000 रुपये से अधिक तक पहुंच गए हैं।

पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया था कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और अफवाहों से बचने को कहा था, लेकिन जमीनी हालात अलग दिखाई दे रहे हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ा था, तब सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी। उस समय से सरकार को यह मालूम था कि ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ सकता है, इसके बावजूद पर्याप्त तैयारी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि शहरों में एलपीजी सिलेंडर बुकिंग का वेटिंग पीरियड 25 दिन और ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों में 45 दिन तक पहुंच गया है, जिससे पैनिक बुकिंग और जमाखोरी की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने सरकार से इस विषय में तत्काल ठोस कदम उठाने और आम लोगों तथा छोटे व्यापारियों को किफायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि उन्हें दुख है कि विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, विपत्ति के समय भी राजनीति करने से पीछे नहीं हटती। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न हुई समस्या भारत के कारण नहीं है और इस मुद्दे पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी पहले ही सदन में विस्तृत जानकारी दे चुके हैं। नड्डा ने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के मामले में कांग्रेस का एक नेता पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सभी को मिलकर देश के साथ खड़ा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री के निर्धारित चार स्तंभों पर निरंतर कार्य कर रही है : मोहन यादव

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से निर्धारित चार स्तंभ किसान, युवा, महिला और गरीब के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है।

संसद परिसर में प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार वर्तमान समय को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मना रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी और कृषि सहित 16 विभिन्न विभागों को आपस में जोड़कर समन्वित तरीके से काम कर रही है। इस दौरान विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों और योजनाओं की प्रगति पर प्रधानमंत्री के साथ विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात का संतोष है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसन्नता के साथ हमारे कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए आशीर्वाद दिया है और आने वाले समय में इसके अच्छे परिणाम भी सामने आएंगे।

छिंदवाड़ाः रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक समेत 3 युवकों की मौत

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। दमुआ थाना क्षेत्र के रामपुर रोड स्थित झिरी घाट के खतरनाक मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक सहित तीनों लोग रेत और वाहन के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, हादसा सोमवार तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ। रेत से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली रामपुर की ओर से वाशरी की दिशा में जा रही थी। झिरी घाट के ढलान और तीखे मोड़ पर चालक वाहन से संतुलन खो बैठा, जिसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। भारी ट्रॉली और उसमें भरी रेत के नीचे दबने से तीनों सवारों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूचना मिलते ही दमुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया और उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतकों की पहचान ट्रैक्टर चालक रंजू उइके (23) पुत्र सामा उइके निवासी ब्रजपुरा, मोहन वट्टी (26) पुत्र इतरलाल वट्टी और उमेश धुर्वे (23) पुत्र अंजन सिंह धुर्वे निवासी सेमरकुही के रूप में की है।

उत्तराखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियां तेज, 87 फीसदी मतदाताओं की मैपिंग पूरी

देहरादून। उत्तराखंड में आगामी अप्रैल माह से प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश में अब तक लगभग 87 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी कर ली गई है, जबकि शेष बूथों पर कार्य तेजी से जारी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी बीवीआरसी पुरुषोत्तम की पहल पर निर्वाचन विभाग राजस्थान की टीम ने सोमवार को देहरादून पहुंचकर एसआईआर के सफल क्रियान्वयन से जुड़े अनुभव साझा किए। इस संबंध में आयोजित बैठक में राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने हाल ही में राजस्थान में संपन्न विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, रणनीति और प्रबंधन पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि राज्य में मतदाताओं की मैपिंग का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब तक 87 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। जिन मतदान केंद्रों पर मैपिंग की गति धीमी है, वहां संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत मैपिंग से विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करने में सुविधा होगी। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्रा, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी, फंसे वाहनों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया गया

श्रीनगर। कश्मीर के अधिकांश ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी हुई, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जिससे कुछ हिस्सों में वाहनों की आवाजाही बाधित हुआ है। सिंथन टॉप पर भारी बर्फबारी के बाद कई वाहन फंस गए, जिसके बाद पुलिस और सेना ने फंसे हुए 214 पर्यटकों और स्थानीय लोगों को निकालने के लिए रविवार रात बचाव अभियान चलाया।

अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग, मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के दूधपथरी और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग के पर्यटक रिसॉर्ट्स में मध्यम बर्फबारी हुई। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मुगल रोड पर पीर की गली, जोजिला अक्ष, उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में गुरेज, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में साधना टॉप और दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग को जम्मू क्षेत्र में किश्तवार से जोड़ने वाले सिंथन टॉप सहित ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। उन्होंने बताया कि साधना टॉप पर 12 इंच से अधिक ताजा बर्फबारी हुई है, जबकि सिंथन टॉप पर लगभग छह इंच बर्फबारी हुई है। अधिकारियों ने कहा कि बर्फबारी के कारण घाटी में महत्वपूर्ण सड़क संपर्क बंद हो गए हैं, जिनमें गुरेज-बांदीपुरा रोड, सिंथन-किश्तवाड़ रोड और कश्मीर घाटी को जम्मू क्षेत्र से जोड़ने वाली वैकल्पिक सड़क मुगल रोड शामिल है। उन्होंने कहा कि जोजिला दर्रे पर बर्फ जमा होने के कारण श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही भी निलंबित कर दी गई है।

श्रीनगर समेत घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जो सोमवार सुबह तक रुक-रुक कर जारी रही। श्रीनगर शहर में पिछले 24 घंटों में 15.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। पहलगाम पर्यटन स्थल, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविरों में से एक है में 15.7 मिमी बारिश हुई। खराब मौसम के कारण पूरी घाटी में तापमान में गिरावट आई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को श्रीनगर शहर का अधिकतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग चार डिग्री कम था घाटी के अन्य मौसम केंद्रों में भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। कम तापमान ने पिछले कुछ हफ्तों में घाटी में प्रचलित असामान्य रूप से उच्च दिन के तापमान की प्रवृत्ति को तोड़ दिया।

मौसम विभाग ने 20 मार्च तक मौसम के अनियमित रहने का अनुमान जताया है इसमें कहा गया है कि सोमवार और मंगलवार को ऊंचे इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। 18-20 मार्च तक मौसम आमतौर पर बादल छाए रहेगा और कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम कार्यालय ने कहा कि 24-25 मार्च को एक और बारिश की संभावना है, छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश या ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। इसमें कहा गया है कि सोमवार और 18-20 मार्च को कुछ स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ने या लगभग 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। मौसम कार्यालय ने किसानों को 20 मार्च तक कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी है।

सीएआरए के दत्तक ग्रहण प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए निर्देश जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन वैधानिक निकाय केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ने देश में गोद लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण कार्यालय ज्ञापन जारी किए हैं।

मंत्रालय के अनुसार निर्देश सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 'राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसियों' को भेजे गए हैं जिनका मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा और अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव सुनिश्चित करना है। सीएआरए ने स्पष्ट किया है कि किशोर न्याय अधिनियम, 2015 (संशोधित 2021) के तहत किसी भी बच्चे को गोद लेने के लिए 'कानूनी रूप से स्वतंत्र' घोषित करने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अनिवार्य है। अनाथ बच्चों के मामले में उचित जांच-पड़ताल और उनके माता-पिता का पता लगाने के प्रयासों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना होगा। आत्मसमर्पण किए गए बच्चों के लिए

अधिनियम के तहत निर्धारित दो महीने की अनिवार्य पुनर्विचार अवधि का सख्ती से पालन करना होगा। उसके बाद ही उन्हें गोद लेने की श्रेणी में रखा जा सकेगा।

दत्तक ग्रहण एजेंसियां (एसएए) या बाल देखभाल संस्थान (सीसीआई) बंद होने या विलय होने की स्थिति में बच्चों के रिकॉर्ड खो जाते हैं। इसलिए सीएआरए ने निर्देश दिया है कि संस्थान की परिचालन स्थिति जो भी हो रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी बनी रहेगी। अभिलेखों को नष्ट करना या फेंकना कानूनन अपराध है। तीसरे निर्देश में किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 का हवाला देते हुए बच्चों की पहचान उजागर करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। किसी भी बच्चे की तस्वीर, वीडियो या पहचान संबंधी जानकारी सोशल मीडिया या किसी भी सार्वजनिक मंच पर साझा नहीं की जा सकती। गोपनीयता भंग करने वाले अधिकारियों या संस्थानों के विरुद्ध धारा 74(3) के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इन निर्देशों के माध्यम से सीएआरए का लक्ष्य दत्तक ग्रहण प्रणाली में जवाबदेही तय करना और बच्चों की गरिमा एवं अधिकारों को सुरक्षित करना है। प्राधिकरण ने सभी राज्यों से इन नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

चिनहट सीएचसी पहुंचे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, गंदगी देख भड़के

उप मुख्यमंत्री ने अव्यवस्थाओं पर सीएचसी प्रभारी को फटकार लगाई

- उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ने नोटिस व सफाई एजेंसी का एक हफ्ते का भुगतान काटने के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक सोमवार को मास्क लगाकर लखनऊ के चिनहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचे। सफाई व्यवस्था, वार्डों की बदहाली और लापरवाही पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भड़क उठे। निरीक्षण के दौरान जनरल वार्ड में कई बेड पर चादर नहीं मिलीं और अस्पताल परिसर में गंदगी देख उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई।

उपमुख्यमंत्री ने जिम्मेदारों को नोटिस देने और सफाई एजेंसी का एक सप्ताह का भुगतान काटने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि जब तक अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होगी, तब तक संबंधित अधिकारी घर नहीं जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आज अचानक चिनहट सीएचसी पहुंच गए। मुंह पर मास्क लगाकर सबसे पहले पर्चा काउंटर पर मरीजों के बीच जाकर कतार में खड़े हो गए। इस दौरान उन्होंने मरीजों से अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद वह पैथोलॉजी विभाग पहुंचे, जहां मरीजों की लंबी कतार लगी थी।

उन्होंने टेक्नीशियन से पूछा कि एक मरीज का रक्त नमूना लेने में कितना समय लगता है ? जवाब मिलने के बाद उन्होंने जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को ज्यादा देर तक इंतजार न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान एक्स-रे कक्ष के आसपास धूल-गर्दा दिखाई दिया। इस पर उन्होंने तुरंत सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां रखी अलमारी खोलकर स्टॉक भी जांचा। इसके बाद वह ओपीडी कक्ष नंबर पांच में पहुंचे और डॉक्टर से अस्पताल की व्यवस्थाओं और मरीजों की संख्या के बारे में जानकारी ली।

उपमुख्यमंत्री जब जनरल वार्ड नंबर 28 पहुंचे तो वहां की स्थिति देखकर नाराज हो गए। वार्ड में कई बेड पर चादर नहीं बिछी थीं। साफ-सफाई भी संतोषजनक नहीं थी। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि मरीजों की देखभाल में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शौचालयों की स्थिति भी देखी, जो संतोषजनक नहीं मिली।

इस पर उन्होंने अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। हालांकि फायर एस्टिंग्यूसर सिलेंडर की एक्सपायरी डेट जांचने पर वह सही पाई गई। उपमुख्यमंत्री जिस समय सीएचसी का निरीक्षण करने पहुंचे उस समय केंद्र के सभागार में आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा था। आशाओं ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि उनके मोबाइल फोन खराब हैं। इससे काम में दिक्कत हो रही है।

इस पर उपमुख्यमंत्री ने तुरंत सीएमओ डॉ. एनबी सिंह को फोन लगाकर मोबाइल ठीक कराने या बदलने के निर्देश दिए। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं का बकाया भुगतान भी तत्काल कराने को कहा। उन्होंने सीएमओ को तत्काल सीएचसी पहुंचकर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पीने के पानी की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। पानी की पाइप को जाली से बांधकर रखा गया था और आसपास गंदगी थी। इस पर उपमुख्यमंत्री ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त होने तक वे अस्पताल परिसर से नहीं जाएं। दवाओं के काउंटर पर कतार लंबी लगी थी। सीएचसी अधीक्षक को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पांच मिनट के भीतर मरीजों को दवा मिल जानी चाहिए।

केशव प्रसाद मौर्य ने 'जनता दर्शन' में सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याओं को सुना। लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार हर पात्र व्यक्ति को न्याय दिलाने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनता दर्शन के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे पीड़ितों की समस्याओं का निराकरण किया । जनपद सम्भल निवासी शांति देवी पत्नी लक्ष्मण कुमार ने विधवा पेंशन दिलाने के लिए जिलाधिकारी से वार्ता कर निर्देश दिए। इसी प्रकार लखनऊ की कमला देवी ने आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा वाराणसी की सरिता सेठ पत्नी रामकुमार सेठ ने कैंसर जैसे असाध्य रोग के उपचार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने की गुहार लगाई। इन प्रकरणों में कार्यवाही हेतु अधिकारी को आदेश दिए। फिरोजाबाद से आई संध्या पत्नी अमित कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर दिलाने का अनुरोध किया।

उपमुख्यमंत्री ने जन शिकायतों के निस्तारण में विलंब पर कड़ा रुख अपनाते हुए मौके से संबंधित जिलों के उच्चाधिकारियों से फोन पर वार्ता की। उन्होंने जिलाधिकारी बुलंदशहर, प्रतापगढ़, शामली, अंबेडकर नगर, मिर्जापुर, गाजियाबाद, अयोध्या और फर्रुखाबाद को निर्देशित किया कि वे लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में उन्होंने पुलिस अधीक्षक संभल, रायबरेली, बदायूं, ललितपुर और चित्रकूट को निष्पक्ष जांच कर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी सुनिश्चित करें कि गरीब और असहाय लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

प्रतापगढ़ में धारदार हथियार से मां बेटे की हत्या, खून से लथपथ कमरे में मिले शव

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में अंतू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक घर में मां-बेटे के रक्तरंजित शव सोमवार को कमरे में मिले हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

अंतू थाना प्रभारी अभिषेक सिरोही ने बताया कि मृतक की पहचान पारा हमीदपुर गांव निवासी शिवपत्ती मौर्या (40) और उनके बेटे अयान (12) के रूप में हुई है। थानेदार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक महिला शिवपत्ती का पति दिनेश रोजी-रोटी के सिलसिले में घर से बाहर रहता है। सोमवार सुबह एक शटरिंग मिस्त्री जब मृतक महिला के घर के पास से गुजर रहा था, तो उसकी नजर खिड़की से अंदर पड़े शवों पर पड़ी।

कमिश्नरी बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मंडलायुक्त ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी कचहरी स्थित कमिश्नरी सभागार में सोमवार को आयोजित एक समारोह में मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लालचंद चौबे, महामंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की और अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडलायुक्त ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बार एसोसिएशन के पदाधिकारी अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ न्यायिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक सहयोग प्रदान करेंगे। मंडलायुक्त ने स्वतंत्रता आंदोलन में अधिवक्ताओं के रोल को रेखांकित करते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद महत्वपूर्ण पदों पर भी अधिवक्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने केशवानंद भारती समेत देश की न्याय व्यवस्था में पीआईएल की शुरुआत पर भी प्रकाश डालते हुए अधिवक्ताओं के रोल को रेखांकित किया।

अपर आयुक्त विवेक कुमार ने कार्यक्रम में निर्वाचित सभी लोगों को बधाई देते हुए विधि सम्मत कार्य में सभी को सहयोग करने के लिए अपील किया। उन्होंने वादकारियों को सुगम न्याय दिलाने में सभी के सहयोग की अपेक्षा की। कार्यक्रम में उपायुक्त खाद्य ओमप्रकाश पटेल, सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश सहित बार एसोसिएशन के सदस्य, अधिवक्ता गण तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

विवाहिता का शव गेहूं के खेत में मिला, पुलिस की चार टीमें जांच में जुटी

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह गेहूं के खेत में एक विवाहिता का शव खून से सना हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के डूंगरपुर गांव निवासी रेखा (26) होली के अवसर पर अपने मायके आई हुई थी। सोमवार सुबह उसका शव गांव से लगभग 150 मीटर दूर एक गेहूं के खेत में पड़ा मिला।

सुबह कुछ ग्रामीण खेतों की ओर शौच के लिए गए थे, जिनकी नजर खेत में पड़े शव पर पड़ी। खून से लथपथ महिला के शव को देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

डॉ. अंबेडकर प्रतिमा पर कालिख पोतने के विरोध में भीम आर्मी का प्रदर्शन

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने की घटना के विरोध में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन किया।

संगठन के जिला अध्यक्ष डा एसपी मानव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा को कपड़े से ढककर अपना विरोध दर्ज कराया और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

विरोध प्रदर्शन के समय पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहे। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिलाधिकारी ने प्रतिमा को साफ कराते हुए नई प्रतिमा लगवाने का आश्वासन दिया है। वहीं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने भी प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि घटना में शामिल लोगों की पहचान कर जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। यह घटना 5 मार्च की रात की है, जब शहर के दीवानी न्यायालय और जिलाधिकारी आवास के पास स्थित तिराहे पर लगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के चेहरे पर अज्ञात अराजक तत्वों ने कालिख पोत दी थी।

शादी के लिए जोड़े पैसे आग में जले

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जनपद के फूलबेहड़ थाना क्षेत्र के जोधपुर गांव में बीती रात रविवार को करीब सवा 11 बजे एक झोपड़ी में आग लग गई। इस घटना में मुन्ना लाल पुत्र सरजू की 20 हजार रुपये नकद और घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

पीड़ित मुन्ना लाल ने सोमवार को बताया कि उन्होंने वैवाहिक तैयारियों के लिए यह नकदी निकाली थी, जो आग की चपेट में आकर नष्ट हो गई। आग से उनकी भैंस भी झुलस गई। इस सूचना के मिलने पर आज सुबह क्षेत्रीय लेखपाल राजीव कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे।

उन्होंने आग से हुए नुकसान का आकलन किया और इसकी रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी है। लेखपाल ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रशासन पीड़ित परिवार को सरकारी मदद दिलाने के लिए प्रयास कर रहा है।

पुल की रेलिंग तोड़कर नदी में गिरी बोलेरो, चालक की मौत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद में रामसनेहीघाट क्षेत्र अंतर्गत रविवार देर रात एक बोलेरो कल्याणी नदी के पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरी। इस हादसे में वाहन चालक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को नदी से निकलवाते हुए कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, बोलेरो वाहन दरियाबाद से भिटरिया की ओर जा रहा था। तभी तासीपुर गांव के पास कल्याणी नदी के पुल पर पहुंचते ही चालक का वाहन से नियंत्रण खो गया और तेज रफ्तार बोलेरो पुल की रेलिंग टकराने के बाद नदी में जा गिरी। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे दो युवकों को नदी से बाहर निकाला और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा। अस्पताल में डॉक्टरों ने वाहन चालक धनकुमार यादव (30) पुत्र रामसूरत यादव निवासी अमहिया, रामसनेहीघाट को मृत घोषित कर दिया। वहीं रानीमऊ निवासी रवि गंभीर रूप से घायल है, उसका इलाज जारी है। रामसनेहीघाट थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद शुक्ला ने बताया कि दो युवक किसी काम से दरियाबाद गए थे। वापस घर लौटते समय बोलेरो सवार दोनों युवक वाहन समेत नदी में गिर गए। इस हादसे में एक युवक की मौत हुई है, जबकि दूसरा घायल है। मृतक की पहचान करते हुए शव को पोस्टमार्टम भेजकर आगे की जांच की जा रही है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, मायके पक्ष ने लगाया जहर देने का आरोप

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले की कटरा कोतवाली थाना क्षेत्र के छोटा मीरजापुर मोहल्ले में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुरालियों पर बेटी को जहर देकर मारने का आरोप लगाया है।

भदोही निवासी भाई ने बताया कि रविवार शाम ससुराल से फोन आया कि उसकी बहन सीमा सोनकर की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। उसे लगातार उल्टियां हो रही है। इसके बाद परिजन उसे तत्काल मंडलीय चिकित्सालय मीरजापुर ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए अन्यत्र रेफर कर दिया।

परिजन के अनुसार, इसके बाद उसे इलाज के लिए भदोही ले जाया गया, लेकिन सोमवार सुबह में उपचार के दौरान सीमा सोनकर की मौत हो गई। कटरा कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांवों तक दौड़ेंगी निजी बसें, सीएम ग्राम परिवहन योजना से खुलेंगे नए रूट

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के तहत लोग अपना वाहन ग्रामीण रूट पर लगा सकते हैं। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम से करार के बाद इन गाड़ियों को ग्रामीण रूट पर चलाया जा सकता है। इसके लिए लोग सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी सोमवार को एआरएम गीता सिंह ने दी।

उन्होंने कहा कि वाहन क्षमता 15-28 सीटर और गाड़ी का आयु अधिकतम आठ वर्ष होनी चाहिए। अनुबंध की अवधि 10 वर्ष, आवेदन शुल्क दो हजार रुपये, सिक्योरिटी पांच हजार रुपये प्रति वाहन और मासिक शुल्क 1500 रुपये निर्धारित है। उन्होंने कहा कि करार के बाद इन गाड़ियों के परमिट शुल्क में 100 फीसदी की छूट दी जाएगी। एआरएम ने बताया कि पूरी कमाई वाहन मालिक की होगी, जिसमें निर्धारित सीमा तक किराया वसूली का अधिकार होगा। मार्ग, फेरे और समय का निर्धारण भी वाहन मालिक करेंगे। इसमें उत्तर प्रदेश परिवहन निगम का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। चयन की प्रक्रिया 15 से 24 दिन में पूरी होगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना होने की स्थिति में प्रभावितों को राशि और बीमा देयता वाहन मालिक की होगी।

एआरएम ने मुताबिक इस योजना के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच और चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी। समिति में सीडीओ, एआरटीओ और एआरएम शामिल होंगे। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि जिले के दूरदराज गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026' के जरिए अब ग्राम पंचायतों तक सीधी और सस्ती परिवहन सुविधा पहुंचाने की तैयारी है। योजना के तहत निजी बस संचालकों की मदद से ऐसे ग्रामीण मार्गों पर छोटे वाहन चलाए जाएंगे, जहां परिवहन निगम की बसें कम या बिल्कुल नहीं चलतीं। सरकार का लक्ष्य है कि गांवों से ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय तक सीधी, सुरक्षित और नियमित परिवहन सेवा उपलब्ध हो। इसके लिए 15 से 28 सीट क्षमता वाली छोटी बसें ग्रामीण सड़कों पर दौड़ेंगे।

एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करेगी: पीटी उषा

नई दिल्ली। भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी ऊषा ने भारतीय खेलों में एथलीट-केंद्रित शासन व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र का भविष्य ऐसी नीतियों से तय होना चाहिए जिनमें खिलाड़ियों को निर्णय प्रक्रिया के केंद्र में रखा जाए।

आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की तैयारी, कल्याण और विकास खेल प्रशासकों तथा खेल संस्थाओं की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस सम्मेलन की मेजबानी दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) कर रहा है। पीटी उषा ने कहा, "एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करनी चाहिए। खिलाड़ियों की तैयारी, उनका कल्याण और विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए।" भारतीय खेलों के बदलते परिदृश्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश इस समय अपने खेल सफर के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। बेहतर बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और संस्थागत समर्थन के कारण भारतीय खिलाड़ी अब वैश्विक मंच पर अधिक आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "पिछले एक दशक में हमने देखा है कि देश में खेलों को समर्थन और सम्मान देने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। आज खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और ढांचे और प्रतिभा पहचान में लगातार निवेश करते रहें, तो भारत लगातार विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर सकता है।" पीटी उषा ने खेल पत्रकारिता की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खेल पत्रकार केवल परिणाम बताने वाले नहीं होते, बल्कि वे खिलाड़ियों के संघर्ष, भावनाओं और उपलब्धियों की कहानियों को सामने लाते हैं। जिम्मेदार और गहन खेल पत्रकारिता देश में खेलों की मजबूत नींव तैयार करती है। सम्मेलन के दौरान आयोजित एक पैनल चर्चा में आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि भारत इस समय अपने खेल मजबूत संस्थागत समर्थन मिल रहा है।" पीटी उषा ने जमीनी स्तर पर खेलों के विकास के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय खेलों की असली ताकत गांवों, कस्बों और स्कूलों में छिपी हुई प्रतिभाओं में है, जिन्हें पहचानने और आगे बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, "भारतीय खेलों की असली ताकत जमीनी स्तर पर है– गांवों, कस्बों और स्कूलों में जहां नई प्रतिभाएं सामने आने का इंतजार कर रही हैं। यदि हम कोचिंग, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा पहचान में लगातार निवेश करते रहें, तो भारत लगातार विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर सकता है।" पीटी उषा ने खेल पत्रकारिता की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खेल पत्रकार केवल परिणाम बताने वाले नहीं होते, बल्कि वे खिलाड़ियों के संघर्ष, भावनाओं और उपलब्धियों की कहानियों को सामने लाते हैं। जिम्मेदार और गहन खेल पत्रकारिता देश में खेलों की मजबूत नींव तैयार करती है। सम्मेलन के दौरान आयोजित एक पैनल चर्चा में आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि भारत इस समय अपने खेल विकास के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहां बढ़ती महत्वाकांक्षा, निवेश और भागीदारी देश को एक प्रमुख खेल राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि भारत खेलों में इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। हमारे पास महत्वाकांक्षा है और इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।" अय्यर ने कहा कि खेलों में भारत की प्रगति को बनाए रखने के लिए मजबूत जमीनी खेल ढांचा तैयार करना बेहद जरूरी है, जिसकी शुरुआत समुदाय स्तर पर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी बढ़ाने से होगी। उन्होंने कहा, "हमें ऐसा खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा जिसमें समुदाय स्तर पर अधिक लोग खेलों में भाग लें। जब यह आधार तैयार होगा, तब सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर तक पहुंचने के लिए आवश्यक संसाधन और समर्थन दिया जाना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि भारत भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रमंडल खेल जैसे आयोजनों के साथ-साथ अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी देश के खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और भारत की वैश्विक खेल पहचान को बढ़ाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, "एक राष्ट्र के रूप में हम बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की दिशा में भी काम कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताएं उस दृष्टि का हिस्सा हैं, जिसके माध्यम से भारत भविष्य में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की नींव तैयार कर रहा है।

बरसों से मेरी ख्वाहिश थी कि भारतीय क्रिकेट का दबदबा रहे और वह समय आ गया है : मिताली

नई दिल्ली। मिताली राज ने कहा है कि विश्व स्तर पर भारतीय क्रिकेट के दबदबे का उनका बरसों पुराना सपना सच हो रहा है जबकि पुरूष टीम, महिला टीम और जूनियर टीमों ने हाल ही के वर्षों में बड़े आईसीसी खिताब जीते हैं। पिछले कुछ साल में भारतीय पुरूष टीम ने 2024 और 2026 टी20 विश्व कप, महिला टीम ने पहला वनडे विश्व कप जीता। जूनियर स्तर पर अंडर 19 टीमों ने भी विश्व खिताब जीते हैं। मिताली ने बीसीसीआई नमन पुरस्कारों के दौरान कहा ,'' मैं बरसों से चाहती थी कि भारतीय क्रिकेट का दबदबा हो और अब वह समय आ गया है।'' उन्होंने कहा ,'' पिछले दो तीन साल में भारतीय क्रिकेट महिला, पुरूष या अंडर 19 लड़के और लड़कियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। एक पूर्व क्रिकेटर होने के नाते भारतीय क्रिकेट की प्रगति होते देखकर गर्व महसूस होता है।'' मिताली , पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और रोजर बिन्नी को बीसीसीआई पुरस्कार समारोह में रविवार को कर्नल सी के नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट, खासकर महिला क्रिकेट के कायाकल्प का श्रेय बीसीसीआई के पूर्व सचिव और आईसीसी के मौजूदा अध्यक्ष जय शाह को दिया। उन्होंने कहा ,'' मैने महिला क्रिकेट में बदलाव को देखा है और मैं बीसीसीआई और जय सर के सहयोग का जिक्र करना चाहूंगी। पिछले चार पांच साल में भारतीय महिला क्रिकेट में भारी बदलाव आया है और यह एक व्यक्ति के कारण हुआ है।' मिताली ने कहा ,'' वैश्विक स्तर पर इसके लिये उनका विजन और प्रतिबद्धता। उन्होंने महिला क्रिकेट के विकास के लिये काफी प्रयास किये हैं।'' बीसीसीआई में शाह के कार्यकाल में महिला और पुरूष क्रिकेटरों की समान मैच फीस की शुरूआत हुई और पूरी तरह से पेशेवर महिला प्रीमियर लीग भी शुरू हुई। मिताली ने यह भी कहा कि अपने कैरियर में उन्होंने सचिन तेंदुलकर और द्रविड़ से काफी प्रेरणा ली। उन्होंने कहा ,'' महिला क्रिकेट का अपना सफर रहा है लेकिन हमने पुरूष क्रिकेटरों से काफी प्रेरणा ली। मैने राहुल और सचिन से काफी कुछ सीखा। उनसे बल्लेबाजी को लेकर लंबी बातचीत की और सुझाव भी मिले जो काफी काम आये।'' बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे बिन्नी ने कहा ,'' मैं खुशकिस्मत हूं कि भारत के लिये खेलना सबसे बड़ा लक्ष्य था जो मैने हासिल किया।'' उन्होंने कहा ,'' खेलने के बाद मैने ब्रेक लिया लेकिन फिर लगा कि अभी भी क्रिकेट को कुछ दे सकता हूं। फिर कोचिंग में उतरा और कर्नाटक की टीम के बाद भारत की जूनियर टीमों को कोचिंग दी और युवाओं के साथ अनुभव साझा करना बहुत अच्छा रहा।''

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका करेंगे एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2025-26 की मेजबानी

लॉज़ान (स्विट्ज़रलैंड)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने सोमवार को घोषणा की है कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2025-26 के चौथे संस्करण की मेजबानी करेंगे। इस प्रतियोगिता के विजेता को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2026-27 सत्र में शामिल होने का अवसर मिलेगा। पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन शहर में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया की कई मजबूत टीमें भाग लेंगी। इन टीमों में मेजबान दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, स्कॉटलैंड और आयरलैंड शामिल हैं। स्कॉटलैंड ने एफआईएच हॉकी नेशंस कप-2 के माध्यम से पदोन्नति हासिल की है, जबकि आयरलैंड 2024-25 सत्र की एफआईएच हॉकी प्रो लीग से बाहर होकर इस टूर्नामेंट में उतरेगा। एफआईएच हॉकी पुरुष नेशंस कप 2025-26 का आयोजन 11 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। यह प्रतियोगिता एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगी, जिसने 2022 में पोटचेफस्ट्रूम शहर में पुरुष वर्ग के पहले संस्करण की मेजबानी की थी। महिला वर्ग की प्रतियोगिता न्यूजीलैंड के ऑकलैंड शहर में 15 से 21 जून 2026 तक खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में मेजबान न्यूजीलैंड के अलावा अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड, फ्रांस और भारत की टीमें भाग लेंगी। फ्रांस ने एफआईएच हॉकी नेशंस कप-2 से पदोन्नति हासिल की है, जबकि भारत 2024-25 सत्र की एफआईएच हॉकी प्रो लीग से बाहर होकर इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। एफआईएच हॉकी नेशंस कप की शुरुआत 2021 में उन शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों के लिए की गई थी, जो एफआईएच हॉकी प्रो लीग में शामिल नहीं हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ऐसी टीमों को उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।

हरबेट किबेट और मुकतार एड्रिस होंगे बेंगलुरु 10के मुख्य आकर्षण

बेंगलुरु। युगांडा के हार्बर्ट किबेट और इथियोपिया के 5000 मीटर में दो बार के विश्व चैंपियन मुख्तार एड्रिस 26 अप्रैल को होने वाली टीसीएस वर्ल्ड 10के (10 किमी) बेंगलुरु प्रतियोगिता के मुख्य आकर्षण होंगे। इस प्रतियोगिता को विश्व एथलेटिक्स से गोल्ड लेवल का दर्जा हासिल है। इसकी कुल पुरस्कार राशि 210000 अमेरिकी डॉलर है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग में विजेता रहने वाले खिलाड़ी को 26000 अमेरिकी डॉलर के अलावा कोर्स रिकॉर्ड बनाने पर बोनस धनराशि भी मिलेगी। पुरुष वर्ग में किबेट पर सबकी नजर रहेगी। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दो साल पहले विश्व जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई थी। किबेट उन पांच एथलीटों में से एक हैं जिन्होंने इस साल 27 मिनट से कम समय में 10 किमी की दौड़ पूरी की है। इस प्रतियोगिता में 5000 मीटर में दो बार के विश्व चैंपियन एड्रिस भी अपनी कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

मन की आवाज पर ईशान को विश्व कप के लिये चुना, एक्स फैक्टर महसूस किया था : कप्तान सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि 'पावर हिटर' ईशान किशन को टी20 विश्व कप टीम में चुनने का फैसला विशुद्ध रूप से मन की आवाज पर लिया गया था क्योंकि उन्हे महसूस हुआ था कि बिहार के इस बल्लेबाज में 'एक्स फैक्टर' है जो मैचों में निर्णायक साबित हो सकता है। पीटीआई वीडियो को रविवार को दिये गए पॉडकास्ट इंटरव्यू में सूर्यकुमार से पूछा गया था कि वह आंकड़ों पर चलने वाले कप्तान हैं या मन की आवाज सुनते हैं और जितेश शर्मा की बजाय ईशान के चयन के फैसले की क्या वजह थी। उन्होने कहा ,'' यह बिल्कुल मन की आवाज पर लिया गया फैसला था। उस समय जितेश शर्मा के लिये यह काफी कठिन था क्योंकि वह एक साल से अधिक समय से टीम के साथ था। और वह खेल रहा था, अगर नहीं खेल रहा होता तो कहानी अलग होती।'' भारत को आठ मार्च को टी20 विश्व कप 2026 जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार ने अपने कैरियर, भारतीय क्रिकेट के भविष्य, मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम से अपने संबंधों पर तफ्सील से बात की। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी

बल्लेबाजी प्रतिक्रिया और सहजता का मिला जुला रूप है। उन्होंने कहा ,'' मैं भी बहुत दुखी था जब हमने जितेश को छोड़कर ईशान को चुना लेकिन हमें ऐसे सलामी बल्लेबाज की जरूरत थी जो शीर्ष क्रम पर आक्रामक प्रदर्शन कर सके। ऐसे में किसी को तो बाहर रहना था।'' उन्होंने बताया कि ईशान कैसे टीम में आये , उन्होंने ईशान को फोन करके कहा ,'' छोटू , विश्व कप जितायेगा' , इस पर ईशान ने जवाब दिया ,' भरोसा करोगे ' और इस पर सूर्यकुमार ने कहा 'चल किया '। सूर्यकुमार ने कहा ,'' और उसने जो प्रदर्शन किया, वह अद्भुत था। मुझे हमेशा से लगता था कि वह एक्स फैक्टर हो सकता है क्योंकि उस पर कोई दबाव नहीं था।'' उन्होंने कहा कि ईशान खराब दौर से गुजर रहा था और टीम से बाहर था लेकिन खेल में बने रहने के लिये वह पूरे भारत में छोटे छोटे मैच खेला और अभ्यास मैच भी खेला। ईशान ने अपने कप्तान को निराश नहीं किया और नौ मैचों में 190 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाये। पैतीस वर्ष के सूर्यकुमार ने घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने पर टीम से बाहर किये जाने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी को लेकर ईशान की प्रतिबद्धता की तारीफ की। ईशान ने इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में 18 गेंद में 39 रन बनाने के बाद फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक जमाया। भारत की खिताबी जीत में एक और फैसला निर्णायक साबित हुआ और वह था पारी की शुरूआत का मौका संजू सैमसन को देना। केरल के इस बल्लेबाज ने सेमीफाइनल और फाइनल में 89 रन बनाये और 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे। सूर्यकुमार ने कहा ,'' संजू सैमसन के टीम में आने के बाद सब कुछ बदल गया।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

देश में थोक मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 2.13 प्रतिशत

नई दिल्ली। थोक मुद्रास्फीति फरवरी में लगातार चौथे महीने बढ़कर 2.13 प्रतिशत हो गई। खाद्य व गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह रही। हालांकि इस दौरान सब्जियों की कीमतों में मासिक आधार पर कुछ नरमी आई। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में 1.81 प्रतिशत थी जबकि फरवरी 2025 में यह 2.45 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा, '' फरवरी 2026 में मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, आधार धातुओं के विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य वस्तुओं और वस्त्र आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण थोक मुद्रास्फीति बढ़ी।'' आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर फरवरी में 2.19 प्रतिशत रही, जबकि पिछले महीने यह 1.55 प्रतिशत थी। सब्जियों में मुद्रास्फीति जनवरी के 6.78 प्रतिशत से घटकर फरवरी में 4.73 प्रतिशत रह गई। हालांकि दाल, आलू व अंडा, मांस तथा मछली की कीमतों में फरवरी में पिछले महीने की तुलना में वृद्धि दर्ज की गई। विनिर्मित उत्पादों के मामले में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में बढ़कर 2.92 प्रतिशत हो गई जो इससे पिछले महीने 2.86 प्रतिशत थी। गैर-खाद्य वस्तुओं की श्रेणी में मुद्रास्फीति जनवरी के 7.58 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 8.80 प्रतिशत हो गई। ईंधन तथा ऊर्जा श्रेणी में मुद्रास्फीति में गिरावट फरवरी में भी जारी रही और यह 3.78 प्रतिशत दर्ज की गई जो जनवरी में 4.01 प्रतिशत थी।

फोनपे ने आईपीओ के जरिये शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया अस्थायी तौर पर रोकी

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय सेवा मंच फोनपे ने वर्तमान भू-राजनीतिक संघर्ष और बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया को फिलहाल अस्थायी रूप से टाल दिया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि वैश्विक पूंजी बाजारों में कुछ स्थिरता आने के बाद वह सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया को फिर से शुरू करेगी। फोनपे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर निगम ने कहा, '' हम प्रभावित सभी क्षेत्रों में जल्द शांति बहाल होने की उम्मीद करते हैं। भारत में सार्वजनिक सूचीबद्धता के लिए हमारी प्रतिबद्धता बरकरार है।''

सेबी ने ट्रैवलस्टैक, लर्नफ्लूएंस और टी पोस्ट को दी आईपीओ के लिए मंजूरी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने ट्रैवलस्टैक, लर्नफ्लूएंस एजुकेशन और टी पोस्ट को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से अद्यतन जानकारी ने अनुसार, इसी के साथ रेज पावर इन्फ्रा, मधुर आयरन एंड स्टील और अर्जुन ज्वेलर्स के दस्तावेज नौ से 13 मार्च के बीच वापस ले लिए गए या लौटा दिए गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारतीय शेयर बाजार दबाव में हैं। सेबी के आंकड़ों के अनुसार, यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी ट्रैवलस्टैक टेक, 'लक्ष्य' कोचिंग सेंटर संचालित करने वाली लर्नफ्लूएंस एजुकेशन और टी पोस्ट ने जून से दिसंबर के बीच अपने आईपीओ दस्तावेज जमा किए थे और उन्हें 10 से 11 मार्च के दौरान नियामकीय की ओर से टिप्पणियां मिल गईं। ट्रैवलस्टैक टेक के प्रस्तावित आईपीओ में 250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे और इसके साथ प्रवर्तकों व अन्य शेयरधारकों द्वारा 2,68,52,969 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाई जाएगी। लर्नफ्लूएंस एजुकेशन के प्रस्तावित आईपीओ में 246 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी होंगे और 40 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश होगी। टी पोस्ट के आईपीओ में 1.43 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और 1.43 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश भी शामिल होगी।

वेदांता के निदेशक मंडल ने डिबेंचर जारी कर 2,575 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल की एक समिति ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 2,575 करोड़ रुपये तक की पूंजी जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। धन जुटाने की यह पहल वेदांता के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिनके तहत कंपनी अपने वित्तपोषण के स्रोतों में विविधता लाने, बहीखाते को मजबूत करने के साथ कर्ज का पुनर्वित्तपोषण करने और उधारी की लागत कम करने पर काम कर रही है। वेदांता ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की समिति ने निजी नियोजन के आधार पर 1,00,000 रुपये अंकित मूल्य के 2,57,500 असुरक्षित, प्रतिदेय, सूचीबद्ध और गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्रों (एनसीडी) के आवंटन को मंजूरी दी है। इनके जरिये कुल 2,575 करोड़ रुपये राशि जुटाई जानी है। कंपनी अपने बहीखाते से कर्ज का बोझ कम कर रही है। इसकी मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज ने अपना शुद्ध ऋण घटाकर दिसंबर 2025 तक लगभग 4.8 अरब डॉलर कर लिया जो मार्च 2022 में 8.9 अरब डॉलर था।

'एआई कोहोर्ट 2026' में शामिल होंगे पांच स्टार्टअप

बेंगलुरु। उद्योग पूंजी कंपनी एक्सेल और गूगल के एआई फ्यूचर्स फंड ने 'एटम्स एआई कोहोर्ट 2026' में शामिल होने वाले पांच स्टार्टअप की सोमवार को घोषणा की जो एंटरप्राइज, वॉयस और औद्योगिक एआई में नए समाधान विकसित करेंगे। 'एटम्स एआई कोहोर्ट', एक्सेल एटम्स का एक विशेष कार्यक्रम है जिसे एआई स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। 'एटम्स एआई कोहोर्ट 2026' एक्सेल और गूगल के एआई फ्यूचर्स फंड के बीच एक महत्वपूर्ण साझेदारी है। बयान के अनुसार, 4,000 से अधिक आवेदनों में से चुने गए इन पांच स्टार्टअप को भारतीय उद्यमियों को समर्थन देने के एक्सेल के लंबे अनुभव और गूगल की उन्नत कृत्रिम मेधा (एआई) अवसंरचना का लाभ मिलेगा, जिससे वे शुरुआती विचार से वैश्विक स्तर तक विस्तार कर सकेंगे। प्रत्येक स्टार्टअप को 20 लाख अमेरिकी डॉलर तक का संयुक्त निवेश मिलेगा। इसके साथ ही गूगल क्लाउड, जेमिनी और गूगल डीपमाइंड के संसाधनों के लिए 3.5 लाख अमेरिकी डॉलर तक की संगणनात्मक (कंप्यूट) क्रेडिट सुविधा भी दी जाएगी। ये पांच स्टार्टअप के-डेंस, डॉज एआई, पर्सिस्टेंस लैब्स, जिंगरोल और लेवलप्लेन हैं। 'के-डेंस', जीवन विज्ञान, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान में खोज को तेज करने के लिए एआई आधारित सह-वैज्ञानिक विकसित कर रहा है। 'डॉज एआई', आधुनिक उद्यम संसाधन नियोजन प्रणालियों को उन्नत बनाने के लिए स्वायत्त कृत्रिम मेधा एजेंट विकसित कर रहा है। 'पर्सिस्टेंस लैब्स', बड़े पैमाने पर कॉल सेंटर संचालन को बदलने के लिए आवाज आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर रहा है। 'जिंगरोल', उपभोक्ताओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मनोरंजन और स्ट्रीमिंग अनुभव विकसित कर रहा है जबकि 'लेवलप्लेन', सटीकता आधारित वाहन और एयरोस्पेस विनिर्माण के लिए औद्योगिक स्वचालन को आगे बढ़ा रहा है। एक्सेल में साझेदार प्रयंक स्वरूप और शेखर किरानी ने कहा कि यह समूह ''साहसिक व मौलिक सोच'' का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, '' 'एटम्स' हमेशा से उन उद्यमियों का समर्थन करने के बारे में रहा है जो संभावनाओं के शुरुआती चरण में होते हैं, जब केवल महत्वाकांक्षा और अंतर्दृष्टि होती है।

अनएकेडमी का अधिग्रहण करेगी अपग्रेड, गौरव मुंजाल बने रहेंगे सीईओ

नई दिल्ली। अपग्रेड के सह-संस्थापक रोनी स्क्रूवाला के नेतृत्व वाली शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी की योजना अनएकेडमी का पूरी तरह शेयर अदला-बदली के सौदे में अधिग्रहण करने की है। समझौते के तहत अनएकेडमी के सह-संस्थापक गौरव मुंजाल कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद पर बने रहेंगे और ऑनलाइन शिक्षा उत्पादों तथा वैश्विक विस्तार पर ध्यान देंगे। गौरव मुंजाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' अनएकेडमी और अपग्रेड ने एक शुरुआती समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत अपग्रेड 100 प्रतिशत शेयर अदला-बदली के सौदे में अनएकेडमी का अधिग्रहण करेगी। सौदा पूरा होने तक दोनों पक्ष मूल्यांकन का खुलासा नहीं करेंगे। दस्तावेज दाखिल होने और लेनदेन सार्वजनिक होने के बाद ही इसका खुलासा किया जाएगा। मैं अनएकेडमी में सह-संस्थापक एवं सीईओ के रूप में बना रहूंगा, जिसका उद्देश्य भारत तथा वैश्विक स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए उत्कृष्ट ऑनलाइन उत्पाद तैयार करना है।'' रोनी स्क्रूवाला ने कहा कि इस सौदे में एक 'ब्रेक शुल्क' का प्रावधान भी शामिल है जो अधिग्रहण पूरा न होने की स्थिति में लागू होगा। मुंजाल ने बताया कि अनएकेडमी के पास वर्तमान में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की नकदी है और कंपनी ने हाल ही में अपने संचालन को पुनर्गठित करते हुए अपने स्वामित्व वाले केंद्रों को 'फ्रेंचाइजी' साझेदारों के साथ एकीकृत किया है।

पश्चिम एशिया संकट: देश की कोयला मांग, बिजली क्षेत्र की जरूरतें पूरी करने को तैयार एसईसीएल

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड की दूसरी सबसे बड़ी कोयला उत्पादक इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने सोमवार को कहा कि कंपनी बदलती वैश्विक ऊर्जा परिस्थितियों के बीच देश की कोयला मांग, विशेषकर बिजली क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे वैश्विक ऊर्जा मार्ग प्रभावित हुए हैं जिससे आयातित कोयला एवं द्रवीकृत प्राकृतिक गैस की लागत बढ़ गई है। इसका अप्रत्यक्ष दबाव भारत के कोयला और बिजली क्षेत्रों पर पड़ रहा है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक दुहान ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी मजबूत परिचालन गति बनाए हुए है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने मार्च के मध्य तक करीब 16.5 करोड़ टन कोयले का उत्पादन और 16.9 करोड़ टन से अधिक कोयले का प्रेषण किया है जिससे बिजलीघरों तथा अन्य उपभोक्ताओं को स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। कंपनी एनटीपीसी, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) और मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) जैसे प्रमुख बिजली उत्पादकों को कोयला आपूर्ति करती है। दुहान ने बताया कि कंपनी के पास फिलहाल करीब 2.3 करोड़ टन कोयले का भंडार है जो बिजली क्षेत्र से मांग बढ़ने की स्थिति में पर्याप्त सहारा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त कंपनी के पास लगभग 1.2 करोड़ टन कोयला भंडार ऐसा है जिसे तुरंत उत्पादन में बदला जा सकता है जिससे परिचालन में मजबूती बनी रहती है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में खनन कार्यों के लिए कंपनी के पास पर्याप्त भूमि उपलब्ध है और उत्पादन एवं आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक खनन तथा परिवहन अनुबंध पहले से लागू हैं। इसके साथ ही एसईसीएल से जुड़े बिजली संयंत्रों के पास भी पर्याप्त कोयला भंडार है जिससे बिजली उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता बनी हुई है।

सलमान खान फिल्म्स ने 'बैटल ऑफ गलवान' का बदला नाम
नया पोस्टर भी जारी

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी बहुचर्चित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का नया आधिकारिक नाम घोषित कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के शीर्षक से दर्शकों के सामने आएगी। मेकर्स ने फिल्म का दमदार नया पोस्टर भी जारी किया है, जो न केवल टाइटल में बदलाव को दर्शाता है, बल्कि एक गहरा और भावनात्मक संदेश भी देता है। फिल्म के नए शीर्षक की सबसे खास बात इसकी टैगलाइन 'मे वॉर रेस्ट इन पीस' है, जो युद्ध के बजाय शांति की उम्मीद और मानवता के संदेश को सामने लाती है। बताया जा रहा है कि फिल्म गलवान घाटी की ऐतिहासिक घटना से प्रेरित है, लेकिन इसके नाम के जरिए मेकर्स वैश्विक स्तर पर शांति और सहअस्तित्व का संदेश देना चाहते हैं। इस नए टाइटल के साथ सलमान खान एक अलग सोच पेश करते नजर आ रहे हैं, जिसे सोशल मीडिया पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के नाम के पीछे छिपी भावना और इसके साहसिक संदेश की लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक युद्ध-आधारित कहानी नहीं, बल्कि देशभक्ति और शांति के बीच संतुलन की एक भावनात्मक सिनेमाई प्रस्तुति होगा।

निक जोनस का हाथ थामे रेड कार्पेट पर उतरीं
प्रियंका चोपड़ा

● ऑस्कर 2026 के रेड कार्पेट पर छाईं प्रियंका-निक, सफेद गाउन में लूटी महफ़िल

मनोरंजन जगत के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित समारोहों में से एक अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर 2026) का आयोजन अमेरिका के लॉस एंजिल्स स्थित डॉल्बी थिएटर में भव्य अंदाज़ में किया गया। दुनियाभर के फिल्मी सितारों की मौजूदगी में यह समारोह ग्लैमर और उत्साह से भरपूर रहा। इस खास मौके पर बॉलीवुड की ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई। प्रियंका इस समारोह में कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए आमंत्रित थीं। उन्होंने अपने पति और अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार निक जोनास के साथ इस प्रतिष्ठित समारोह में शिरकत की। ऑस्कर समारोह के रेड कार्पेट पर प्रियंका चोपड़ा का ग्लैमरस लुक सबका ध्यान अपनी ओर खींचने में सफल रहा। उन्होंने सफेद रंग का बेहद खूबसूरत गाउन पहन रखा था, जिसमें उनका अंदाज़ बेहद शालीन और आकर्षक नजर आया। वहीं निक जोनास काले ब्लेज़र में काफी हैंडसम दिखाई दिए। दोनों ने रेड कार्पेट पर कैमरों के सामने मुस्कुराते हुए पोज़ दिए और फैंस का दिल जीत लिया। इस वर्ष ऑस्कर अवॉर्ड्स में फिल्म 'सिनर्स' को सबसे अधिक 16 नामांकन प्राप्त हुए हैं। इस फिल्म ने नामांकन के मामले में 'ला ला लैंड' और 'टाइटैनिक' जैसी चर्चित फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब दर्शकों और फिल्म प्रेमियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार किसे मिलता है। कुल मिलाकर ऑस्कर 2026 का यह समारोह ग्लैमर, स्टाइल और सिनेमा के जश्न से सराबोर रहा, जिसमें प्रियंका-निक की मौजूदगी ने भारतीय फैंस के लिए इस शाम को और भी खास बना दिया।

रिलीज से पहले ही दिखा 'धुरंधर 2' का धमाल, किसी ने 6 तो किसी ने बुक किए 10 टिकट

नई दिल्ली। आदित्य धर के निर्देशन में बनी स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जबकि 18 मार्च को प्रीमियर शो होंगे। रिलीज से पहले ही एडवांस बुकिंग में धमाल मचा हुआ है। कई दर्शकों ने प्रीमियर और पहले दिन के लिए 5-6 से लेकर 10-10 टिकट खरीद लिए हैं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि 'धुरंधर 2' ओपनिंग डे पर बॉलीवुड की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बन सकती है। फिल्म के प्रति इस जुनून की एक झलक अभिनेता राकेश बेदी ने दिल्ली एयरपोर्ट पर दिखाई। राकेश बेदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर कई लोगों से मुलाकात हुई, जो पहले से ही 'धुरंधर 2' के टिकट बुक करवा चुके हैं। वीडियो में राकेश बेदी 'हाय चाय विद राकेश बेदी' के अंदाज में लोगों से बात करते नजर आए। उन्होंने कहा, "कई लोग मिले जिन्होंने एडवांस टिकट करवा रखे हैं। किसी ने छह, किसी ने आठ, किसी ने दस टिकट बुक कराए हैं। अभी एक शख्स मिले, जिन्होंने 19 मार्च के लिए दस टिकट बुक कराए हैं।

केरल स्टोरी-2' में मुसलमानों को दिखाया नकारात्मक रूप में: स्वरा भास्कर

मुंबई। हाल ही में सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर खुलकर राय रखने वाली अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने फिल्म द केरला स्टोरी 2 को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए अभिनेत्री ने फिल्म की कहानी और उसके प्रस्तुतिकरण पर सवाल उठाए हैं। इस पोस्ट पर सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। दरअसल स्वरा भास्कर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी में फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए एक लंबा नोट लिखा। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने इस फिल्म या इसके ट्रेलर को देखा है तो उसे यह महसूस हो सकता है कि इसमें मुसलमानों को नकारात्मक रूप में दिखाया गया है। स्वरा ने आरोप लगाया कि फिल्म के जरिए एक खास समुदाय के प्रति नकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की गई है। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा कि ट्रेलर को देखकर ऐसा लगता है कि फिल्म में हिंदू महिलाओं को बहुत भोली और मासूम तरीके से दिखाया गया है। उनके अनुसार कहानी में महिलाओं को ऐसे प्रस्तुत किया गया है मानो वे आसानी से प्रभावित हो जाती हैं और उन्हें अपनी गलतियों से बचाने के लिए किसी बाहरी सुरक्षा की जरूरत होती है। स्वरा ने इस तरह की प्रस्तुति पर आपत्ति जताते हुए कहा कि फिल्मों में इस तरह की छवियां समाज में गलत संदेश दे सकती हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी स्वरा भास्कर ने दिल्ली के उत्तम नगर में हुए एक चर्चित हत्याकांड पर प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें उन्होंने तरुण खाटिक की मौत को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी राय व्यक्त की थी।